Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 87
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
सोमवार ,27 अक्टूबर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 एक्सप्रेस-वे पर चलती एसी बस में भीषण आग,90 की | 4 बहुजन समाज पार्टी बसपा के पतन के लिए जिम्मेदार | 5 बॉयफ्रेंड से क्रिस्टल डिसूजा का हुआ ब्रेकअप

अब यूपी के लोगों को इलाज के लिए दिल्ली में नहीं भटकना होगा: सीएम

गाजियाबाद । सीएम योगी आदित्यनाथ रविवार को गाजियाबाद में यशोदा मेडिसिटी के लोकार्पण समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। हेल्थकेयर सेक्टर में निवेश, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं की दिशा में राज्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद में स्थापित यशोदा मेडिसिटी इसका सशक्त उदाहरण है। यह केवल एक अस्पताल नहीं, बल्कि वर्ल्ड क्लास हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर की नई परिभाषा है। उन्होंने कहा कि इस संस्थान के माध्यम से न केवल एनसीआर बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के नागरिकों को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं एक ही छत के नीचे प्राप्त होंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लोगों को अब दिल्ली में महंगे इलाज के लिए भटकने की जरूरत नहीं, क्योंकि गाजियाबाद में ही वर्ल्ड क्लास हेल्थकेयर उपलब्ध हो गया है। इनवेस्टमेंट भी और रोजगार का माध्यम भी उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 में जब उत्तर प्रदेश में थर्ड ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी आयोजित हुई थी, उस समय डॉक्टर पीएन अरोड़ा ने इन्वेस्ट यूपी के साथ एमओयू किया था कि गाजियाबाद में यशोदा मेडिसिटी के नाम से अत्याधुनिक अस्पताल का निर्माण करेंगे। इसमें सभी प्रकार की सुपर स्पेशलिटी सुविधाएं होंगी और विशेष रूप से कैंसर की अत्याधुनिक सुविधा भी, जिसके लिए पहले लोगों को विदेश जाना पड़ता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि तब यह विश्वास नहीं होता था कि इतनी जल्दी यह संभव होगा, लेकिन डॉक्टर पी.एन. अरोड़ा, डॉक्टर उपासना अरोड़ा और उनकी पूरी टीम ने मात्र तीन वर्षों में इसे साकार कर दिखाया। यह इन्वेस्टमेंट भी है और 5000 से अधिक लोगों के लिए रोजगार का माध्यम भी। इस अस्पताल में डॉक्टर, पैरामेडिक्स, नर्सिंग स्टाफ और अन्य हेल्थकेयर से जुड़े 5000 से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीन वर्षों में यह जो काम हुआ है वह उत्तर प्रदेश के बदलते निवेश माहौल और मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर की शक्ति को दर्शाता है। प्रदेश में स्थापित हुए 42 नए मेडिकल कॉलेज मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले 11 वर्षों में हेल्थ सेक्टर में ऐतिहासिक सुधार किए हैं। उत्तर प्रदेश ने भी इस दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। राज्य में अब तक 42 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि दो एम्स (गोरखपुर और रायबरेली) सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं।

स्वस्थ भारत ही विकसित भारत की आधारशिला : राजनाथ

गाजियाबाद। अस्पताल के एमडी डॉ. पी एन अरोड़ा के संदर्भ में कहा, हम जब भी किसी सफल इंसान की कहानी पढ़ते हैं, आपको यही देखने को मिलेगा कि हर बड़ी यात्रा की शुरूआत किसी न किसी बड़ी व्यक्तिगत पीड़ा से निकलती है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि स्वस्थ भारत ही विकसित भारत की आधारशिला है। यहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा यशोदा मेडिसिटी के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, हम उस भारत की ओर बढ़ रहे हैं जिसका सपना हमारे पूर्वजों ने देखा था, जो शक्तिशाली और स्वस्थ हो। उन्होंने कहा, हमारा हर कदम, हर नीति, हर प्रयास देश के गरीब, वंचित और ग्रामीण जनमानस को समर्पित है। हम मानते हैं कि जब भारत का हर नागरिक स्वस्थ होगा तभी भारत सशक्त होगा। सिंह ने कहा, हमें 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए राष्ट्र के नागरिकों का स्वास्थ्य उत्तम होना बहुत जरूरी है। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि यशोदा मेडिसिटी के लिए गौरव की बात है कि इसे दक्षिण एशिया में रोबोटिक्स सर्जरी प्रशिक्षण केंद्र के रूप में मान्यता मिली है। यह उपलब्धि निश्चित रूप से मेडिकल प्रशिक्षण और तकनीकी अनुसंधान को नई दिशा देगी। उन्होंने अस्पताल के एमडी डॉ. पी एन अरोड़ा के संदर्भ में कहा, हम जब भी किसी सफल इंसान की कहानी पढ़ते हैं, आपको यही देखने को मिलेगा कि हर बड़ी यात्रा की शुरूआत किसी न किसी बड़ी व्यक्तिगत पीड़ा से निकलती है। यशोदा मेडिसिटी के चेयरमैन डॉ. पी एन अरोड़ा ने 1986 में अपनी माता को कैंसर की वजह से मृत्युशैया पर देखा, उनकी इसी पीड़ा ने यशोदा मेडिसिटी को जन्म दिया।

दो दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव में पहुंचे सीएम धामी, रिवर्स माइग्रेशन पर दिया जोर

बदरीनाथ (चमोली) : सीएम ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य केवल मनोरंजन करना नहीं, बल्कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शीतकालीन पर्यटन, रिवर्स माइग्रेशन, रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। सीएम पुष्कर सिंह धामी आज बरीनाथ धाम पहुंचे। यहां वह धाम में आयोजित दो दिवसीय देवभूमि सांस्कृतिक महोत्सव में शामिल हुए। इस दौरान सीएम ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य केवल मनोरंजन करना नहीं, बल्कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शीतकालीन पर्यटन, रिवर्स माइग्रेशन, रोजगार सृजन और

आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। यह महोत्सव भारतीय सेना और उत्तराखंड सरकार संयुक्त रूप से आयोजित कर रही है। मुख्यमंत्री ने यहां सेना द्वारा हथियारों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। साथ ही स्थानीय लोगों द्वारा लगाए गए स्टॉल में जाकर पहाड़ी व्यंजनों का स्वाद भी चखा। इसके बाद सीएम बदरीनाथ मंदिर पहंचे और बदरी विशाल की पूजा अर्चना की।

'आसियान भारत की एक्ट ईस्ट नीति का मुख्य स्तंभ'

पीएम मोदी ने सम्मेलन को वर्चुअली किया संबोधित

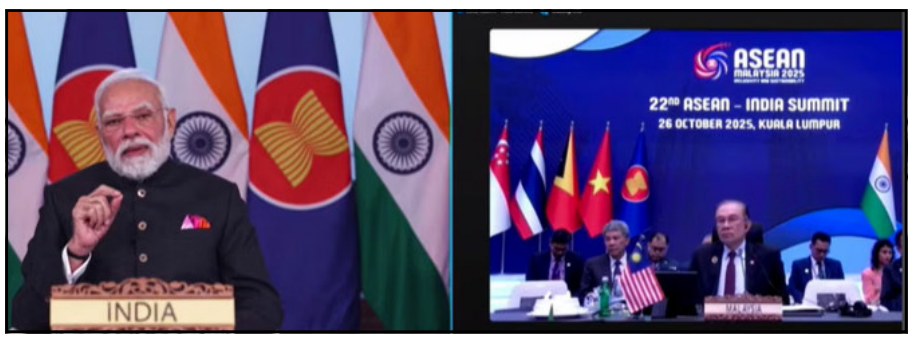

● प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मलयेशिया में आयोजित 22वें आसियान शिखर सम्मेलन 2025 को वर्चुअली संबोधित किया है। पीएम ने कहा- इस वर्ष आसियान शिखर सम्मेलन का विषय 'समावेशीपन और स्थिरता' है। यह विषय हमारे साझा प्रयासों में स्पष्ट रूप से दिखती है- चाहे वह डिजिटल समावेशन हो या वर्तमान चुनौतियों के बीच खाद्य सुरक्षा और लचीली आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करना।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को आसियान शिखर सम्मेलन में वर्चुअली हिस्सा लिया। इस सम्मेलन को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आसियान के देश साझा मूल्यों की डोर से बंधे हुए हैं। 21वीं सदी आसियान देशों की सदी है। बता दें कि आसियान की यह बैठक मलयेशिया में हो रही है। पीएम मोदी ने मलयेशियाई पीएम को दी बधाई शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मलयेशियाई प्रधानमंत्री और मेरे मित्र अनवर इब्राहिम आपने मुझे आसियान परिवार में शामिल होने का अवसर दिया, इसके लिए मैं बहुत खुश हूं। मैं आपको इस सफल शिखर सम्मेलन के लिए बधाई देता हूं। पीएम ने कहा, समावेशीपन और स्थिरता इस वर्ष के आसियान शिखर सम्मेलन के विषय हैं और यह विषय हमारे साझा प्रयासों को दर्शाता है। चाहे वह डिजिटल समावेशन हो, खाद्य सुरक्षा हो, या इस अशांत वैश्विक समय में लचीली आपूर्ति श्रृंखलाएं हों। हम साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, 'भारत के देश समन्वयक की भूमि का कुशलता से निभाने पर फिलीपींस के राष्ट्रपति मार्कोस का धन्यवाद करता हूं।' पीएम ने थाईलैंड की राजमाता के निधन पर जताया शोक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा, 'थाईलैंड की राजमाता के निधन पर मैं सभी भारतवासियों की ओर से थाईलैंड के राज परिवार और जनता के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।' 'आसियान भारत की एक्ट ईस्ट नीति का मुख्य स्तंभ' पीएम मोदी ने इस दौरान कहा, 'भारत और आसियान मिलकर विश्व की लगभग एक-चौथाई जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं। हम न केवल भूगोल साझा करते हैं, बल्कि गहरे ऐतिहासिक संबंधों और साझे मूल्य के जोड़ से जुड़े हुए हैं। हम वैश्विक दक्षिण का हिस्सा हैं। हमारे बीच न केवल व्यापारिक संबंध हैं, बल्कि सांस्कृतिक संबंध भी हैं। आसियान भारत की एक्ट ईस्ट नीति का मुख्य स्तंभ है। भारत ने हमेशा आसियान की केंद्रीयता और हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर आसियान के दृष्टिकोण का समर्थन किया है। अनिश्चितता के इस दौर में भारत-आसियान व्यापक रणनीतिक साझेदारी निरंतर मजबूत हुई है। हमारी मजबूत साझेदारी वैश्विक स्थिरता और विकास का आधार बनकर उभर रही है।

संक्षिप्त खबरे

कर्नाटक के बीदर में भूकंप का हल्का झटका महसूस किया गया

कर्नाटक। भूकंप का यह झटका सुबह 3.42 बजे महसूस किया गया। इसका केंद्र चिट्टगुप्पा तालुक के भास्करनगर गांव से 2.4 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में पांच किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। कर्नाटक के बीदर जिले में रविवार की सुबह भूकंप का हलका झटका महसूस किया गया जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 2.9 मापी गयी। राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र (केएसएनडीएमसी) ने इसकी जानकारी दी। भूकंप का यह झटका सुबह 3.42 बजे महसूस किया गया। इसका केंद्र चिट्टगुप्पा तालुक के भास्करनगर गांव से 2.4 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में पांच किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। केएसएनडीएमसी की ओर से जारी बयान में कहा गया है, किसी नुकसान की सूचना नहीं है और निवासियों को घबराने की जरूरत नहीं है। भास्करनगर और आसपास के इलाकों के ग्रामीणों ने हल्के भूकंप की सूचना दी, लेकिन कोई नुकसान नहीं हुआ।

हिमाचल प्रदेश के चंबा में युवक ने महिला पर चाकू से हमला किया

हिमाचल प्रदेश। मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञों की एक टीम ने तुरंत सर्जरी की, जिससे युवती की जान बच गई। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. जालम सिंह भारद्वाज ने बताया कि महिला फिलहाल खतरे से बाहर है और उसकी हालत स्थिर है। हिमाचल प्रदेश के चंबा शहर में शनिवार दोपहर एक युवक ने एक युवती पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि स्थानीय लोगों ने हमलावर को पकड़ लिया और घायल युवती को इलाज के लिए चंबा स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। पुलिस उपाधीक्षक मयंक शर्मा ने बताया कि मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि धर्मशाला से आई एक फोरेंसिक टीम ने चंबा में वन अतिथि गृह के पास घटनास्थल से नमूने एकत्र किए। शर्मा ने बताया कि आरोपी अमृतसर का रहने वाला है। उन्होंने बताया कि उससे पूछताछ की जा रही है और हमले के पीछे के मकसद की जांच की जा रही है। हमले में युवती की गर्दन पर गंभीर चोट आई हैं। मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञों की एक टीम ने तुरंत सर्जरी की, जिससे युवती की जान बच गई। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. जालम सिंह भारद्वाज ने बताया कि महिला फिलहाल खतरे से बाहर है और उसकी हालत स्थिर है।

यशोदा मेडिसिटी के उद्घाटन पर राष्ट्रपति

स्वस्थ नागरिक ही मजबूत राष्ट्र की नींव : राष्ट्रपति

गाजियाबाद : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने यशोदा मेडिसिटी के उद्घाटन पर कहा कि हर नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलनी चाहिए। उन्होंने स्वदेशी संस्थाओं और अनुसंधान को बढ़ावा देने की बात कही। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ा सुधार हुआ है। साहिबाबाद में इंदिरापुरम स्थित यशोदा मेडिसिटी के उद्घाटन अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही मजबूत राष्ट्र की नींव होते हैं। उन्होंने सभी को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा का अधिकार बताया और स्वदेशी संस्थाओं व चिकित्सकीय अनुसंधान को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रोबोटिक सर्जरी और स्वास्थ्य सुधारों की सराहना की। चिकित्सकीय अनुसंधान को अभी और आगे ले जाने की जरूरत है। देश में सिकल सेल एनीमिया (रक्त विकार) की बीमारी पर भी काम किए जाने की जरूरत है। कार्यक्रम में शामिल रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि दक्षिण एशिया में रोबोटिक सर्जरी को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस समय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में स्वास्थ्य व्यवस्था में बेहतर सुधार हो रहा है। पहले गरीब इलाज के लिए परेशान होते थे। अब सभी को दरवाजे पर इलाज मिल रहा है। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना का जिक्र करते हुए कहा कि हर गरीब को वर्ष में पांच लाख रुपये का इलाज मुफ्त में मिल रहा है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है। अब तक यूपी में 42 मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं। गाजियाबाद में एक बेहतर अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधा भी अब दिल्ली एनसीआर के लोगों को मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ईलाज के लिए अब लोगों को दिल्ली की दौड़ नहीं लगानी होगी।

तेजस्वी यादव का वक्फ कानून पर बड़ा बयान

सरकार बनी तो इसे कूड़ेदान में फेंक देंगे : तेजस्वी

पटना : बिहार चुनाव से पहले राज्य में महागठबंधन की सरकार बनी, मुस्लिम वोट बैंक को साधने के लिए तेजस्वी यादव ने बड़ा एलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि अगर महागठबंधन की सरकार बनती है तो हम लोग वक्फ कानून को फाड़ देंगे। तेजस्वी के इस बयान के बाद सियासी पारा चढ़ गया है। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच विपक्षी महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार और राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को कटिहार में वक्फ कानून को लेकर बड़ा बयान दे दिया है। चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर

फेंक दिया जाएगा। तेजस्वी यादव ने कहा कि मेरे पिता लालू प्रसाद यादव ने कभी भी सांप्रदायिक ताकतों से समझौता नहीं किया। लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हमेशा ऐसी ताकतों के साथ खड़े रहे हैं। आज आरएसएस और उसके सहयोगी बिहार में भी नफरत फैला रहे हैं। भाजपा का असली नाम ह्यभारत जलाओ पार्टीह्न होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर महागठबंधन की सरकार बनती है, तो वक्फ एक्ट को खत्म कर दिया जाएगा। तेजस्वी बोले मुख्यमंत्री अब होश में नहीं हैं तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि बिहार की जनता 20 साल पुराने नीतीश कुमार शासन से थक चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अब होश में नहीं हैं।

मध्यप्रदेश देश का शीर्ष टमाटर उत्पादक राज्य बना : मुख्यमंत्री मोहन

मध्य प्रदेश। मुख्यमंत्री ने कहा, यह सब्सिडी किसानों को बड़ा सहारा दे रही है। इस योजना का लाभ उठाकर, हमारे किसान भाई आत्मनिर्भर बन रहे हैं और समृद्धि की ओर बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि राज्य समर्थित प्रोत्साहन योजनाओं के कारण पैदावार में हुई वृद्धि के कारण मध्यप्रदेश देश का शीर्ष टमाटर

उत्पादक राज्य बन गया है। मध्य प्रदेश सरकार के बयान के अनुसार, किसानों ने उत्साहपूर्वक नकदी फसल उत्पादन को अपनाया है, जिससे उनकी आय में वृद्धि हुई है और घरेलू खाद्य आवश्यकताओं को पूरा किया है। यादव ने कहा, मध्यप्रदेश देश में टमाटर उत्पादन में नंबर एक है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकीकरण (पीएमएफएमई) योजना के तहत, टमाटर की खेती पर आधारित लघु उद्योगों को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित किया जा रहा है। यादव ने कहा कि सरकार टमाटर के बीज पर 50 प्रतिशत तक सब्सिडी दे रही है।

महाराष्ट्र की महिला डॉक्टर की आत्महत्या को बताया संस्थागत हत्या : राहुल

नईदिल्ली : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र की महिला डॉक्टर की आत्महत्या को संस्थागत हत्या करार देते हुए भाजपा सरकार पर अमानवीयता और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र की महिला सरकारी डॉक्टर की आत्महत्या को संस्थागत हत्या करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह घटना भाजपा सरकार की अमानवीय और असंवेदनशील कार्यप्रणाली को उजागर करती है। यह डॉक्टर महाराष्ट्र के बीड जिले की रहने वाली थीं और सतारा जिले के RYTMX3f में सरकारी अस्पताल में तैनात थीं। गुरुवार रात उन्हें एक होटल

के कमरे में फांसी के फंदे से लटका पाया गया। डॉक्टर ने अपनी हथेली पर लिखे सुसाइड नोट में पुलिस सब-इंस्पेक्टर गोपाल बदाने पर कई बार दुष्कर्म करने और सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बंकार पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया था। 'महिला डॉक्टर की आत्महत्या किसी सभ्य समाज के विवेक को झकझोर देने वाली त्रासदी' राहुल गांधी ने एक्स पर हिंदी में लिखा 'महाराष्ट्र के सतारा में बलात्कार और उत्पीड़न से तंग आकर डॉ. संपदा मुंडे की आत्महत्या किसी भी सभ्य समाज की अंतरात्मा को झकझोर देने वाली त्रासदी है। एक होनहार डॉक्टर बेटी, जो दूसरों का दर्द मिटाने की आकांक्षा रखती थी, भ्रष्ट सत्ता और तंत्र में बैठे अपराधियों की प्रताड़ना का शिकार बन गई। जिसे अपराधियों से जनता की रक्षा की ज़िम्मेदारी दी गई थी, उसी ने इस मासूम के खिलाफ सबसे घिनौना अपराध किया - उसके साथ बलात्कार और शोषण किया। उन्होंने आगे लिखा कि रिपोर्ट्स के अनुसार, BJP से जुड़े कुछ प्रभावशाली लोगों ने उस पर भ्रष्टाचार का दबाव डालने की कोशिश भी की। सत्ता संरक्षित आपराधिक विचारधारा का ये सबसे घिनौना उदाहरण है। यह आत्महत्या नहीं - संस्थागत हत्या है। जब सत्ता अपराधियों की ढाल बन जाए, तो न्याय की उम्मीद किससे की जाए? डॉ. संपदा की मौत इस BJP सरकार के अमानवीय और संवेदनहीन चेहरे को उजागर करती है। हम न्याय की इस लड़ाई में पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं। भारत की हर बेटी के लिए - अब डर नहीं, न्याय चाहिए। घटना के बाद कार्रवाई पुलिस ने सब-इंस्पेक्टर गोपाल बदाने को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने शनिवार को आत्मसमर्पण किया। सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बंकार को भी पुणे से पकड़ा गया है। दोनों पर दुष्कर्म और आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज है।

गोरखपुर जं. स्टेशन पर बनाये गये यात्री आश्रय स्थल का निरीक्षण करते हुये माननीय सांसद, गोरखपुर रवि किशन शुक्ला साथ में मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह

गोरखपुर,: लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर अपने घरों का आ रहे यात्रियों की सहज, सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिये पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन ने व्यापक प्रबन्ध किये हैं। माननीय सांसद, गोरखपुर श्री रवि किशन शुक्ला ने 26 अक्टूबर, 2025 को छठ पर्व पर आने एवं जाने वाले यात्रियों की भारी भीड़ को ध्यान में रखकर गोरखपुर जं. स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिये यहाँ बनाये गये यात्री आश्रय स्थल (पैसेंजर होल्डिंग एरिया) का निरीक्षण किया तथा यहाँ बैठे यात्रियों से संवाद किया। यात्रियों के लिये पैसेंजर होल्डिंग एरिया में उपलब्ध सुविधाओं पर माननीय सांसद श्री शुक्ला से प्रसन्नता व्यक्त की और रेल प्रशासन को साधुवाद दिया। गोरखपुर जं. स्टेशन पर 2,500 वर्ग मीटर में 05 पैसेंजर होल्डिंग एरिया बनाये गये हैं। माननीय सांसद श्री रवि किशन शुक्ला ने पैसेंजर होल्डिंग एरिया में उपलब्ध पंखा, कूलर, ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड, शुद्ध पेय जल, सहायता बूथ, मोबाइल यू.टी.एस., प्राथमिक चिकित्सा, मोबाइल चार्जिंग प्वांइट, खान-पान स्टॉल, बैठने की व्यवस्था, उत्तम प्रकाश व्यवस्था आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने यहाँ उपलब्ध कराये गये यात्री सुख-सुविधाओं तथा वहाँ बज रहे छठ गीत की प्रशंसा की। पैसेंजर होल्डिंग एरिया में मोबाइल यू.टी.एस. जिसके माध्यम से यात्रियों को बिना लाइन में लगे तत्काल टिकट उपलब्ध हो रहा है, को उन्होंने यात्रियों की सुविधा के लिये रेलवे का अनुपम उपहार बताया। मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी, पूर्वोत्तर रेलवे श्री पंकज कुमार सिंह ने छठ पर्व पर भीड़ प्रबन्धन के अन्तर्गत यात्रियों की सुरक्षा एवं यातायात प्रबन्धन के लिये रेलवे प्रशासन द्वारा उठाये गये कदमों से माननीय सांसद श्री रवि किशन शुक्ला को अवगत कराया और बताया कि गत दिवस छठ पर्व के अवसर पर गोरखपुर जं. पर लगभग दो लाख यात्रियों का आवागमन हुआ। इस अवसर पर जेड.आर.यू.सी.सी. के सदस्य श्री पवन दूबे, माननीय सांसद, गोरखपुर के निजी सचिव शिवम द्विवेदी, स्टेशन निदेशक/गोरखपुर जं. श्री रतनदीप गुप्ता सहित अन्य रेल अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

वाराणसी में फर्जी नेटवर्किंग ऑफिस पर पुलिस की रेड

वाराणसी। सारनाथ पुलिस ने शिकायत के आधार पर कार्रवाई कर छापा मारा। यहां से अवैध डॉक्यूमेंट सहित अन्य सामान कब्जे में ले लिए गए हैं। करीब 40 युवाओं से पूछताछ की जा रही है। सारनाथ थाना क्षेत्र के पहाड़िया स्थित श्रीकृष्णा नगर कालोनी के एक मकान में नेटवर्क मार्केटिंग एवं टेलीकॉलिंग की नौकरी देने के नाम पर युवाओं के साथ ठगी के मामले में डीसीपी प्रमोद कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने रविवार को छापा मार दिया। इसमें पुलिस ने अवैध डॉक्यूमेंट आदि अपने कब्जे में ले लिया। इस प्रकरण में पुलिस ने मैनेजर, मकान मालिक सहित तीन को हिरासत में ले लिया। 30 से 40 युवाओं के साथ भी पूछताछ की जा रही है। नेटवर्क मार्केटिंग नाम पर नौकरी के देने के लिए युवाओं के साथ ठगी करने के नाम पर पुलिस ने श्रीकृष्णा नगर कालोनी छापा मार दिया। इस प्रकरण में मैनेजर एवं मकान मालिक तारकेश्वर मिश्रा सहित तीन लोग को हिरासत में ले लिया गया है। डीसीपी वरुणा जोन प्रमोद कुमार ने बताया कि प्रतिबिंब पोर्टल के जरिए शिकायत मिली कि पहाड़िया में एक जगह युवाओं की बेरोजगारी का फायदा उठाकर उनके साथ आर्थिक फ्राड किया जा रहा है। पोर्टल से ही उनका लोकेशन भी मिल गया। छापा मारा गया तो पता चला कि श्रीकृष्णा नगर कालोनी स्थित तारकेश्वर मिश्रा के मकान में आरआरएमवी रेगुलरवेयर प्राइवेट कंपनी के नाम पर फर्जी कंपनी चल रही है। यह कंपनी युवाओं को टेलीकॉलिंग के नाम पर रोजगार देने का झूठा वादा किया जाता था। इसके बदले उन युवाओं से पैसा भी लिया जाता था। बेरोजगार युवाओं को फंसाने का तरीका एसीपी सारनाथ विदुष सक्सेना ने बताया कि ऑनलाइन जॉब पोर्टल के माध्यम से कंपनी के लोग युवाओं डेटा निकालते थे। इसके बाद उन्हें टेलीकॉलिंग जॉब का देने के लिए कहते थे। इसके बाद युवा उनके यहां आ जाते थे। इनमें युवक व युवतियां दोनों शामिल होते थे। इसके बाद इनसे 28 सौ 50 रुपया लेकर पीजी में रखकर तीन दिन का प्रशिक्षण दिया जाता था।

छठ पर घर जाने की खुशी, ट्रैनों की गैलरी में भी जगह नहीं

कानपुर। सेंट्रल स्टेशन पर छठ पर्व के कारण दिल्ली और मुंबई से पूर्वांचल जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों का सैलाब उमड़ा। सीमांचल और जोगबनी जैसी ट्रेनों में भीड़ इतनी थी कि दरवाजे नहीं खुले और लोग खिड़कियों व एसी कोच में घुसने लगे, जिससे आरपीएफ और जीआरपी को भारी मशक्कत करनी पड़ी। कानपुर में छठ पर्व के कारण दिल्ली और मुंबई से बिहार तथा पूर्वांचल जाने वाली ट्रेनों में भारी भीड़ देखी जा रही है। घर जाने वाले यात्रियों को ट्रेनों में जगह नहीं मिल पा रही है जिससे उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा। लोग कोच के अंदर चादर बांधकर सफर कर रहे हैं। गेट से लेकर गैलरी और शौचालय तक पैर रखने की भी जगह मिल रही है। वहीं आरपीएफ, जीआरपी को भीड़ नियंत्रित करने में काफी दिक्कतें हो रही हैं। नहाए-खाए के साथ शनिवार से छठ पर्व की शुरूआत हो रही है। इससे दूसरे राज्यों में नौकरी करने वाले लोग बिहार तथा पूर्वांचल लौट रहे हैं। वहीं दीपोत्सव के बाद छुट्टी मनाकर भी लोग नौकरी पर वापसी कर रहे हैं। इससे ट्रेनों में लोगों की भीड़ बढ़ गई है। शुक्रवार को सीमांचल और जोगबनी एक्सप्रेस कानपुर सेंट्रल स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर छह व सात पर पहुंचीं, तो अंदर बैठे यात्रियों की भीड़ के चलते जनरल और स्लीपर कोच के दरवाजे ही नहीं खुले। घर जाने के लिए परेशान लोग काफी देर तक दरवाजे पीटते रहे। यही हाल चौरीचौरा और दूसरी स्पेशल ट्रेनों का भी रहा। सेंट्रल पर रही भी रही श्रद्धालुओं की भीड़ भीड़ के चलते कोई गेट पर लटककर सफर कर था तो कोई खिड़की और सीट के बीच में चादर बांधकर लेटा था। शौचालय में भी लोगों ने कब्जा कर रखा था। जनरल और स्लीपर कोच बंद होने पर लोग एसी कोच में घुसने लगे। इस पर आरपीएफ प्रभारी एसएन पाटीदार, जीआरपी प्रभारी निरीक्षक ओमनारायण सिंह ने सुरक्षाबलों के साथ उन्हें जबरन उतारा। उधर, शनिवार को मध्यप्रदेश के बागेश्वर धाम में लगने वाले दरबार में जाने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ भी सेंट्रल पर रही। गेट पर खड़े थे यात्री, कोच में चढ़ते समय प्लेटफार्म पर गिरी महिला चौरीचौरा एक्सप्रेस में भीड़ के कारण शुक्रवार को एक महिला कोच में चढ़ने के दौरान प्लेटफार्म पर गिर गई। ट्रेन शाम 4:50 बजे सेंट्रल स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर पांच पर पहुंची। इस बीच एक महिला कोच में चढ़ने का प्रयास करने लगी। गेट पर भीड़ अधिक होने से उसे धक्का लगा और वह प्लेटफॉर्म पर गिर गई तभी दूसरे यात्रियों ने उसे पकड़ लिया। आरपीएफ जवानों ने उसे किसी तरह दूसरे कोच में अंदर चढ़ाया। छठ पूजा के कारण दिल्ली और मुंबई से आने वाली व बिहार तथा पूर्वांचल जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ है। सेंट्रल स्टेशन से नियमित दिनों की तरह ही यात्री आ जा रहे हैं। ट्रेनों में भीड़ होने से कुछ असुविधा हो रही है। -आशुतोष सिंह, डिप्टी सीटीएम, कानपुर सेंट्रल स्टेशन बसों में भी लौटने वालों की भीड़ दीपावली के बाद अब लोग अपने काम पर लौटने लगे हैं। इस वजह से दिल्ली, मुंबई जैसे रूटों पर जाने वाली परिवहन निगम की बसों में भीड़ बढ़ने लगी है। आसपास के झांसी, प्रयागराज, रायबरेली, हमीरपुर, लखनऊ जैसे रूटों की बसों में भी काफी संख्या में यात्री सफर कर रहे हैं। झकरकटी बस अड्डा के एआरएम पंकज तिवारी ने बताया कि शनिवार से यात्रियों की भीड़ और बढ़ने का अनुमान है। जिन रूटों पर जरूरत होगी वहां रिजर्व में खड़ी बसें चलाई जाएंगी।

पत्नी के हाथ-पैर बांधकर उसके सामने लगाया फंदा

आजमगढ़। आजमगढ़ में युवक के फंदा लगाने की सूचना पाकर मौके पर महाराजगंज थाने की पुलिस भी पहुंच गई। मां ने उसकी पत्नी पर हत्या का आरोप लगाया है। बताया कि बेटे की पत्नी ने दो-दो शादियां की थी। उसका एक बेटा भी है। आजमगढ़ के महराजगंज थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव में बीती रात एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक विजय यादव (25) ने अपने मकान में छत के कुंडे से रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य पैतृक मकान पर थे, जबकि विजय और उसकी पत्नी सुधा गांव में ही स्थित दूसरे मकान में रह रहे थे। घटना की सूचना मृतक की पत्नी सुधा ने पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की मां गीता यादव ने बहू सुधा पर बेटे की हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि सुधा की पूर्व में राजस्थान में शादी हो चुकी थी और उसका एक बेटा भी है। इसके बावजूद उसने विजय को प्रेमजाल में फंसाकर एक वर्ष पूर्व कोर्ट मैरिज कर ली। गीता यादव ने आरोप लगाया कि सुधा आर्केस्ट्रा में काम करती थी, जिसे लेकर दोनों में अक्सर विवाद होता था। इसी विवाद के चलते उन्होंने बेटे की हत्या की आशंका जताई। सुधा ने बताया कि उसका मायका भी मृतक के गांव में ही है और शादी से पूर्व ही विजय से उसका संबंध था। परिजनों में मचा कोहराम आठ वर्ष पूर्व उसकी शादी राजस्थान के अनिल नामक युवक से हुई थी, जिससे उसका एक पांच वर्षीय बेटा है। पति को जब उसके पूर्व संबंधों की जानकारी हुई तो उनका संबंध विच्छेद हो गया और वह मायके लौट आई। इसके बाद विजय से पुनः संबंध स्थापित हुआ और दोनों ने एक वर्ष पूर्व कोर्ट मैरिज कर ली। सुधा ने बताया कि विजय शराब पीने का आदी था और नशे में अक्सर मारपीट करता था। छठ पूजा के लिए वह अपनी बहन के घर गई थी, जहां से विजय ने उसे बुलाकर फिर मारपीट की। रात में उसने सुधा को घर से बाहर कर आत्महत्या की कोशिश की, लेकिन बाद में दरवाजा खोल दिया। इसके बाद उसने सुधा के हाथ-पैर बांध दिए और उसके सामने ही फांसी लगा ली। सुधा ने किसी तरह रस्सी खोलकर उसे नीचे उतारा और पुलिस को सूचना दी। कोतवाली प्रभारी केदारनाथ मौर्य ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला पति-पत्नी के बीच विवाद के बाद आत्महत्या प्रतीत हो रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। विजय यादव तीन भाइयों में बीच का था और ट्रेलर चलाने का काम करता था। पिछले एक सप्ताह से वह घर पर ही था।

कार्बाइड पटाखों ने 12 रोगियों से छीन ली एक आंख की रोशनी

कानपुर। कानपुर में कार्बाइड पटाखों से जले रोगियों का सिलसिला जारी है। अब तक 12 रोगियों की एक आंख की रोशनी जा चुकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि पटाखों का पाउडर ऊतकों में जमा हो जाता है, जिससे इलाज में मुश्किल आ रही है। कानपुर में कार्बाइड पटाखों से जले रोगियों के आने का सिलसिला थम नहीं रहा है। अब तक 12 रोगियों की एक आंख की रोशनी चली गई है। शनिवार को हैलट में 12 रोगी प्लास्टिक सर्जरी और नेत्र रोग विभाग की ओपीडी में आए। निजी नेत्र रोग विशेषज्ञों के यहां भी रोगी पहुंचे। कार्बाइड से जले रोगियों का इलाज आम पटाखों से जलने वालों से अलग है। जख्म की गहराई में जमा पाउडर घाव भरने में मुश्किल पैदा करता है। विशेषज्ञों को कार्बाइड पटाखों से जले रोगियों के इलाज में मुश्किल आ रही है। हैलट के नेत्र रोग विभाग में अब तक 75 रोगी आए। इनमें आठ रोगियों के एक आंख की रोशनी पटाखों से जलने की वजह से चली गई। निजी डॉक्टरों के चार रोगियों की एक आंख की रोशनी चली गई। कार्बाइड पटाखों का जख्म गहरा होता है अन्य अस्पतालों और डॉक्टरों के यहां रोगी इलाज करा रहे हैं। शनिवार को नेत्र रोग विभाग की ओपीडी में पटाखों से जले 10 रोगी आए। प्लास्टिक सर्जरी विभाग में दो रोगी आए। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्लास्टिक सर्जन डॉ. प्रेम शंकर ने बताया कि अभी सात रोगी भर्ती हैं। कार्बाइड पटाखों का जख्म गहरा होता है। पाउडर ऊतकों में भर जाता है। कार्बाइड के कण एल्केलाइन इंजरी करते हैं घाव भरने में देरी होती है। बारूद के पटाखों से मांस फटता है। इसमें गलता है। जलन बहुत अधिक होती है। नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. परवेज खान ने बताया कि इसमें कॉर्निया की पर्त निकल जाती है। बारूद पटाखे के विस्फोट से यह फटती है। डॉ. मलय चतुवेर्दी ने बताया कि कार्बाइड के कण एल्केलाइन इंजरी करते हैं। अगर समय से इलाज न मिले तो 360 डिग्री पर जख्म बढ़ाते हैं।

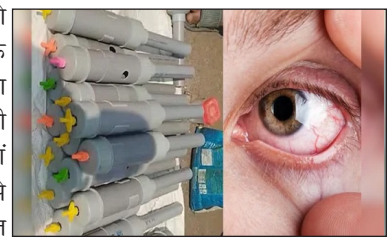

छठ पूजा की वेदी बना स्नान कर रहे तीन लोग डूबे दो की मौत

गाजीपुर। यूपी के गाजीपुर जिले में विभिन्न हादसों में तीन लोग नदी में डूब गए। इसमें दो लोगों की मौत हो गई, वहीं, तीसरे की तलाश जारी है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गाजीपुर जिले के दो अलग-अलग थाना क्षेत्र में रविवार को गंगा व गोमती नदी में नहाते वक्त तीन एक बालक और दो किशोर-किशोरियों डूब गए। इनमें से एक बालक व एक किशोर की मौत हो गई है। जबकि डूबी किशोरी के शव की तलाश की जा रही है। खानापुर थाना क्षेत्र के अमहेता गांव निवासी गांव के समीप प्रवाहित हो रही गोमती नदी में नहाने के लिए अविरल मिश्रा (10) अपनी बड़ी बहन के साथ गया था, जबकि गहमर थाना क्षेत्र के नरवाघाट पर पड़ोसी की किशोरी गंगौत्री (14) के साथ रोहन राजभर (13) घाट पर छठ की बेदी बनाने के बाद गंगा में स्नान कर रहे थे और डूब गए। स्थानीय गोताखोरों की मदद से गोमती नदी से अविरल और गंगा नदी से रोहन का शव निकाला गया। जबकि गंगोत्री की तलाश की जा रही है। गहमर कोतवाली के गहमर पट्टी गोविंद राय निवासी खरपत्तू राजभर ने बताया कि पुत्री गंगौत्री छठ महापर्व के लिए बेदी को बनाने के लिए पड़ोस के रोहन राजभर के साथ नरवा घाट गई थी। वहां पर बेदी बनाने के बाद गंगा में दोनों स्नान करने लगे। दोपहर करीब 1.30 बजे गहरे पानी में जाने से पुत्री गंगौत्री और रोहन राजभर डूब गए। परिजनों में मचा कोहराम गहमर कोतवाल दीनदयाल पांडेय ने बताया कि किशोर का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। किशोरी की तलाश कराई जा रही है। उधर, अमहेता गांव निवासी अनुराग मिश्रा ने बताया कि इकलौता पुत्र अविरल मिश्रा बड़ी बहन भूमि मिश्रा के साथ गोमती नदी में सुबह दस बजे नहाने गया था।

मुंडेरवा में गन्ना विकास इंटर कॉलेज में हुआ पूर्व छात्र सम्मेलन

मुंडेरवा। गन्ना विकास इंटर कॉलेज में शनिवार को पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें विद्यालय के वे पूर्व छात्र शामिल हुए जो नौकरी, व्यवसाय या कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल कर चुके हैं। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि और पूर्व प्रमुख रमेश बहादुर सिंह उर्फ बब्बू सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की। उन्होंने कहा कि इस विद्यालय के छात्रों ने देश-दुनिया में अपना परचम लहराया है। छात्रों को मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि ने पूर्व प्रधानाचार्य धर्मेंद्र नाथ त्रिपाठी की प्रतिमा विद्यालय प्रांगण में लगवाने की घोषणा की। पूर्व छात्र व सेवानिवृत्त तहसीलदार चौधरी गिरवर सिंह ने भी मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के प्रधानाचार्य धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि उनकी भी इंटर तक की पढ़ाई इसी कॉलेज में हुई। कॉलेज के छात्र नलकूप चालक परशुराम राय ने विद्यालय को चार पंखे भेंट किए। सम्मेलन में हाईकोर्ट के वकील फूलचंद्र सिंह, रामशंकर निराला, एडवोकेट सुमित्रा सिंह, डॉ. सुनील कुमार आदि उपस्थित रहे। पूर्व छात्रों में मधुसूदन पांडेय, डॉ. धीरज नारायण पांडेय,अरविंद कुमार सिंह, डॉ. सुनील विश्वकर्मा, प्रेमनाथ विश्वकर्मा, मुहम्मद समीम, राजेश यादव, बंटी दूबे मौजूद रहे। संचालन अरविंद पांडेय और संतोष पांडेय ने किया।

दर्दनाक ट्रेलर में भिड़ा ट्रक केबिन को कटर से काटकर निकाली गई युवक की डेड बॉडी

भदोही। यूपी के भदोही जिले में युवक की मौत की सूचना पाकर गोपीगंज कोतवाली की पुलिस भी पहुंच गई। शव को कब्जे में ले लिया गया। पुलिस ने उसके परिजनों को सूचित कर दिया है। गोपीगंज कोतवाली क्षेत्र के गिराई के पास रविवार की भोर करीब चार बजे राष्ट्रीय राजमार्ग पर ट्रेलर में पीछे से ट्रक ने टक्कर मार दिया। इससे ट्रक की केबिन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। उसमें सो रहे टुन्नी (20) निवासी मेडवन कन्नौज की मौत हो गई। घटना के बाद हाइवे का दक्षिणी लेन एक घंटे तक बाधित रहा। पुलिस ने मलबे को हटाकर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कानपुर के बिल्हौर निवासी सानू पुत्र श्री राम सागर शनिवार को ट्रक यूपी 78 डीजी 0303 पर बिहार से सीमेंट लादकर कौशांबी के लिए निकला। उसके साथ उसका रिश्तेदार टून्नी भी था। रविवार को भोर में जैसे ही ट्रक गेराई के पास पहुंची, तभी आगे चल रही ट्रेलर यूपी 45 एटी 7584 को टक्कर मार दिया। सड़क पर लगा जाम प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रक चालक ओवरटेक करने की कोशिश कर रहा था, तभी ट्रेलर ने अचानक ब्रेक लगा दिया। इससे पीछे से आ रही सीमेंट लदा ट्रक अनियंत्रित होकर ट्रेलर में जा भिड़ा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक का केबिन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में ट्रक में सवार टुन्नी केबिन में ही फंस गया।

संक्षिप्त खबरें

उत्तर रेलवे द्वारा प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर छठ पर्व मनाने के लिए अपने घर जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए किए विशेष प्रबंध

आज दिल्ली क्षेत्र से उत्तर रेलवे द्वारा 33 स्पेशल रेलगाड़ियों का संचालन

नई दिल्ली: छठ पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा के लिए उत्तर रेलवे ने दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख स्टेशनों पर बेहतर इंतजाम किए हैं, विशेष रूप से उन यात्रियों के लिए जो पूर्वी भारत की ओर अपने घर जा रहे हैं। 25.10.2025 को दिल्ली एरिया के 6 प्रमुख स्टेशनों – नई दिल्ली, दिल्ली जंक्शन, आनंद विहार टर्मिनल, हजरत निजामुद्दीन, शकूरबस्ती और गाज़ियाबाद – से कुल 3,51,221 यात्री रवाना हुए। यह संख्या पिछले वर्ष की इसी अवधि (दीपावली के पाँचवें दिन, 05.11.2024) की तुलना में 7.86% अधिक है। आज 33 स्पेशल ट्रेनें दिल्ली एरिया के प्रमुख स्टेशनों से चलाई जा रही हैं – नई दिल्ली से 9, दिल्ली जंक्शन से 4, आनंद विहार टर्मिनल से 9, हजरत निजामुद्दीन से 2, शकूरबस्ती से 5, दिल्ली सराय रोहिल्ला से 1, शामली से 1 और रोहतक से 2। इसके अतिरिक्त 3 पासिंग स्पेशल ट्रेनें भी निर्धारित की गई हैं। यात्रियों के सुगम आवागमन हेतु, 3 अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनें – नई दिल्ली दरभंगा, नई दिल्ली राजेंद्र नगर टर्मिनल (पटना) और नई दिल्ली सहरसा – को 25.10.2025 को चलाया गया।

गोरखपुर जं. स्टेशन पर रेलवे ट्रैक की सफाई करता हुआ सफाई मित्र

गोरखपुर, : भारतीय रेल पर 02 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2025 तक चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत 26 अक्टूबर, 2025 को मुख्यालय गोरखपुर तथा लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता जागरूकता रैली निकाल कर यात्रियों एवं कर्मचारियों को जागरूक किया गया। इस दौरान प्लेटफार्मों, प्रतीक्षालयों, कार्यालयों तथा ट्रैक के दोनों किनारों की साफ-सफाई की गई। 26 अक्टूबर, 2025 को लखनऊ मंडल के स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान स्टेशनों, कॉलोनियों, अस्पतालों, डिपो, रेलवे ट्रैक एवं अन्य क्षेत्रों की साफ-सफाई की गई तथा स्टेशनों पर रेलवे ट्रैक एवं प्रसाधनों की गहन सफाई की गई। वाराणसी मंडल के आजमगढ़, बलिया, बनारस, वाराणसी सिटी, गाजीपुर सिटी, भटनी, छपरा, सीवान, देवरिया सदर, मऊ एवं प्रयागराज रामबाग स्टेशनों पर कार्यरत स्वास्थ्य निरीक्षकों ने संविदा कर्मचारियों के साथ स्वच्छता सम्बन्धी नारे, पोस्टर एवं बैनरों के माध्यम से एक जागरूकता रैली निकालकर यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। स्टेशनों पर रखे डस्टबिन की सफाई कर उनको निर्धारित स्थानों पर रखा गया। इज्जतनगर मंडल के स्टेशनों पर प्लेटफार्मों, प्रतीक्षालयों, प्रसाधनों एवं कार्यालयों की सफाई की गई तथा डस्टबिनों की सफाई कर उनको निर्धारित स्थानों पर रखा गया। इस दौरान स्टेशन परिसर तथा रेलवे ट्रैक के दोनों किनारों पर खुली और ढकी हुई नालियों की सफाई कर चूना एवं कीटनाशक पाउडर का छिड़काव किया गया।

2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली पूजा विशेष गाड़ियाँ निम्नवत हैं

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा छठ पर्व पर यात्रियों की सुविधा हेतु पूजा विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। 27 अक्टूबर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली पूजा विशेष गाड़ियाँ निम्नवत हैं।

-27 अक्टूबर, 2025 को 05062 टनकपुर-अछनेरा पूजा विशेष गाड़ी टनकपुर से 04.35 बजे प्रस्थान कर पीलीभीत, इज्जतनगर, कासगंज, मथुरा जं. होते हुये चलाई जायेगी।

-27 अक्टूबर, 2025 को 09112 गोरखपुर-वडोदरा पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 05.00 बजे प्रस्थान कर बस्ती, गोंडा, बादशाहनगर, कानपुर सेंट्रल, फरुर्खाबाद होते हुये चलाई जायेगी।

-27 अक्टूबर, 2025 को 05131 गोरखपुर-बहराइच पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 05.25 बजे प्रस्थान कर आनन्दनगर, बढ़नी, गोंडा होते हुये चलाई जायेगी।

-27 अक्टूबर, 2025 को 05741 गोमती नगर-न्यू जलपाईगुड़ी पूजा विशेष गाड़ी गोमती नगर से 09.40 बजे प्रस्थान कर बाराबंकी, अयोध्या धाम जं., मनकापुर, गोरखपुर, सीवान, छपरा होते हुये चलाई जायेगी।

-27 अक्टूबर, 2025 को 04607 छपरा-अमृतसर पूजा विशेष गाड़ी छपरा से 12.00 बजे प्रस्थान कर सीवान, गोरखपुर, गोंडा, सीतापुर, मुरादाबाद होते हुये चलाई जायेगी।

-27 अक्टूबर, 2025 को 03048 गोरखपुर-हावड़ा पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 13.00 बजे प्रस्थान कर सीवान, छपरा, हाजीपुर होते हुये चलाई जायेगी।

-27 अक्टूबर, 2025 को 09044 बढ़नी-बान्द्रा टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी बढ़नी से 13.30 बजे प्रस्थान कर बलरामपुर, गोंडा, लखनऊ, कानपुर सेंट्रल, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. (झांसी) होते हुये चलाई जायेगी।

-27 अक्टूबर, 2025 को 01080 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (मुम्बई) पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 14.30 बजे प्रस्थान कर गोंडा, कानपुर सेंट्रल, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. (झांसी) होते हुये चलाई जायेगी।

-27 अक्टूबर, 2025 को 05132 बहराइच-गोरखपुर पूजा विशेष गाड़ी बहराइच से 14.30 बजे प्रस्थान कर गोंडा, बढ़नी, आनन्दनगर होते हुये चलाई जायेगी।

-27 अक्टूबर, 2025 को 03678 गोरखपुर-धनबाद पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 15.30 बजे प्रस्थान कर भटनी, औंड़िहार, जौनपुर, वाराणसी जं. होते हुये चलाई जायेगी।

-27 अक्टूबर, 2025 को 01032 बनारस-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (मुम्बई) पूजा विशेष गाड़ी बनारस से 16.00 बजे प्रस्थान कर प्रयागराज छिवकी, सतना होते हुये चलाई जायेगी।

-27 अक्टूबर, 2025 को 01416 गोरखपुर-पुणे पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 17.30 बजे प्रस्थान कर गोंडा, लखनऊ, कानपुर सेंट्रल, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. (झांसी) होते हुये चलाई जायेगी।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, शाइना और दीक्षा ने स्वर्ण पदक जीते

नई दिल्ली: अंडर-15 बालिका एकल फाइनल में शाइना ने जापान की चिहारू तोमिता को 21-14, 22-20 से हराया, जबकि दीक्षा ने हमवतन लक्ष्य राजेश को 21-16, 21-9 से हराकर अंडर-17 बालिका एकल का खिताब जीता। शाइना मणिमुथु और दीक्षा सुधाकर ने रविवार को अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीते जिससे भारत बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप में अपना अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहा। अंडर-15 बालिका एकल फाइनल में शाइना ने जापान की चिहारू तोमिता को 21-14, 22-20 से हराया, जबकि दीक्षा ने हमवतन लक्ष्य राजेश को 21-16, 21-9 से हराकर अंडर-17 बालिका एकल का खिताब जीता। इस तरह से भारतीय दल ने दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदकों के साथ महाद्वीपीय स्पर्धा का समापन किया जो चैंपियनशिप में उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

संक्षिप्त समाचार

उपचार के दौरान युवक की मौत

ग्वालियर। झांसी रोड थाना क्षेत्र के शीतला माता मंदिर पर बीती 9 अक्टूबर को अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल युवक ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि कछौआ चीनौर निवासी 42 वर्षीय सूरज मौर्य को अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी थी। जिस पर उन्हें उपचार के लिए भर्ती कराया था। जहां पर शनिवार को सूरज ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

दोपहर में खेल रहे थे जुआ पुलिस ने 8 दबोचे

ग्वालियर। रमटापुरा में सहयोग गार्डन के पास भरी दोपहरी में ताश की गड्डी फेंट कर हार-जीत का दांव लगा रहे 8 जुआरियों को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर पकड़ लिया। जुआरियों के पास से 4800 रुपए नकद बरामद हुए हैं। पुलिस ने जुआ एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर राशि को जब्त कर लिया। ग्वालियर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि रमटापुरा में सहयोग गार्डन के पास भीड़ जमा है और वहां जुआ खेला जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर 8 लोगों को पकड़ लिया।

दो घंटे के विवाद के बाद प्रशासन ने बालाजी गार्डन पर लिया कब्जा

■ उच्च न्यायालय ने भूमि को घोषित किया है सरकारी

■ ग्वालियर

थाटीपुर क्षेत्र स्थित बहुचर्चित बालाजी मैरिज गार्डन को लेकर शनिवार की शाम प्रशासन और गार्डन संचालक के बीच करीब दो घंटे तक विवाद के बाद आखिर प्रशासनिक कब्जा लेने में सफल रहा। मप्र उच्च न्यायालय द्वारा भूमि को सरकारी घोषित किए जाने के बाद एसडीएम, तहसीलदार और राजस्व अमले ने गार्डन पर कब्जा लेकर तालेबंदी कर दी।

जानकारी के अनुसार, बालाजी गार्डन गोसपुरा क्षेत्र की सर्वे नंबर 1914, 1915/1, 1917/2, 1918/2 और 1937/1 की कुल 0.836 हेक्टेयर भूमि पर स्थित है। यह भूमि लंबे समय से विवादित रही है। वर्ष 2012 में याचिकाकर्ता हरचरण एवं अन्य ने जिला न्यायालय में वाद दायर कर इस भूमि को अपनी निजी संपत्ति बताते हुए स्वामित्व का दावा किया था। उनका तर्क था कि यह भूमि कभी शासकीय नहीं रही और उनके पूर्वजों के कब्जे में थी।

राज्य शासन ने इस दावे को चुनौती देते हुए कहा कि उक्त भूमि में से 0.407 हेक्टेयर हिस्सा शासकीय है, जिस पर गार्डन का निर्माण और पार्किंग क्षेत्र अतिक्रमण के रूप में विकसित किया गया है। निचली अदालत ने पहले याचिकाकर्ताओं के पक्ष में निर्णय दिया था, लेकिन शासन की अपील पर चतुर्थ जिला न्यायालय ने अगस्त 2025 में निर्णय पलटते हुए भूमि को सरकारी घोषित कर दिया। इसके विरोध में हरचरण एवं अन्य ने उच्च न्यायालय में द्वितीय अपील दायर की थी। इसी निर्णय के पालन में शनिवार की शाम तहसीलदार महेश सिंह कुशवाह राजस्व टीम के साथ गार्डन पहुंचे और कब्जा लेने की प्रक्रिया शुरू की।

गार्डन संचालक ने कार्रवाई का विरोध करते हुए कहा कि पहले उन्हें अपना सामान निकालने की अनुमति दी जाए। करीब दो घंटे चली बहस के बाद जब संचालक नहीं माने तो एसडीएम नरेन्द्र बाबू यादव भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने संचालक और उनके अधिवक्ताओं को समझाया कि यदि सामान निकालना है तो इसके लिए जिलाधीश को आवेदन करें, साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि वे चाहें तो सर्वोच्च न्यायालय जा सकते हैं, लेकिन कब्जा प्रक्रिया नहीं रोकी जाएगी। अंततः संचालक ने सहमति जताई और शाम 7.30 बजे के करीब गार्डन के दोनों गेटों पर प्रशासन ने ताला जड़ दिया।

यूपी में चालू हैं सात एक्सप्रेस वे,पांच निमार्णाधीन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य के बुनियादी ढाँचे के विकास पर प्रकाश डाला और राज्य भर में एक्सप्रेसवे के महत्वपूर्ण विस्तार पर जोर दिया। एक्स पर एक पोस्ट में, मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में, उत्तर प्रदेश में केवल डेढ़ एक्सप्रेसवे थे। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में राज्य में अब विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप निर्मित सात परिचालन एक्सप्रेसवे हैं। पाँच एक्सप्रेसवे निमार्णाधीन हैं, जबकि दस और के लिए सर्वेक्षण कार्य चल रहा है।2017 तक उत्तर प्रदेश में केवल डेढ़ एक्सप्रेसवे थे। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में, आज उत्तर प्रदेश में विश्वस्तरीय गुणवत्ता से सुसज्जित 7 परिचालन एक्सप्रेसवे हैं। 5 एक्सप्रेसवे निमार्णाधीन हैं।

लोडिंग वाहन ने स्कूटर को टक्कर मारी, पिता की मौत, बेटा घायल

■ ग्वालियर

शहर के पुरानी छावनी इलाके में सड़क हादसे में पिता की मौत हो गई जबकि बेटा घायल हो गया। घटना शुक्रवार शाम की है। पुलिस ने हादसे के लिए जिम्मेदार लोडिंग वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार सौरभ पाल अपने पिता मुन्नालाल के साथ इलेक्ट्रिक स्कूटर से ओड़पुरा गांव से तिघरा रोड स्थित घर जा रहा था। पिता-पुत्र अभी तिघरा रोड पर बने निजी स्कूल के पास पहुंचे थे उसी समय सामने की तरफ से आ रहे लोडिंग वाहन ने स्कूटर में टक्कर मार दी। बताया गया है कि अचानक से एक गाय सड़क पर आ गई जो लोडिंग वाहन से जा टकराई। गाय के टकराने से लोडिंग वाहन नम्बर एमपी07जीए-8468 का चालक गाड़ी पर नियंत्रण नहीं रख सका और सामने से आ रहे स्कूटर में टक्कर लग गई। लोडिंग वाहन की टक्कर लगने से सौरभ के पिता मुन्नालाल उछलकर सड़क पर जा गिरे, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई। घायलों को इलाज के लिए जेएएच के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया। लोडिंग ऑटो चालक ने भी घायल को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। ट्रॉमा सेंटर में कुछ देर इलाज चलने के बाद मुन्नालाल की मौत हो गई।

ट्रेनों में यात्रियों के बैग-पर्स चोरी करने वाले तीन शातिर आरोपी गिरफ्तार

-20 मोबाइल समेत लाखों का माल बरामद

■ ग्वालियर

रेल यात्रियों के बैग और पर्स चोरी करने वाले तीन शातिर बदमाशों को जीआरपी ग्वालियर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से सोने-चांदी के जेवर और 20 मोबाइल फोन सहित कुल 8 लाख रुपए से अधिक का माल बरामद किया है।

यह कार्रवाई एसपी रेल भोपाल राहुल कुमार लोढा (भापुसे) एवं एएसपी रेल नीतू सिंह डाबर के निर्देश पर और डीएसपी रेल ग्वालियर रामस्नेही चौहान के मार्गदर्शन में की गई। जीआरपी के अनुसार 22 मार्च, 16 अप्रैल और 1 अक्टूबर 2025 को तीन अलग-अलग ट्रेन बरौनी एक्सप्रेस, श्रीधाम एक्सप्रेस और इंदौर-अमृतसर एक्सप्रेस में यात्रियों के पर्स, आभूषण और नकदी चोरी की घटनाएं हुई थीं। इन प्रकरणों के बाद लगातार मुखबिर की सूचना और चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने 23 अक्टूबर को तीन आरोपी मोहम्मद तारिक उर्फ शमीम मियां (20) निवासी गया, अजय जाटव (22) निवासी लखनौती ग्वालियर और दुर्गेश उर्फ छोटू जोशी (23) निवासी मोगना टीकमगढ़ को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने अजय जाटव के कब्जे से विभिन्न कंपनियों के 20 मोबाइल फोन कुल कीमत 3 लाख 42 हजार, एक सोने का मंगलसूत्र, कान के टॉप्स, चांदी की पायल और अन्य आभूषण कुल कीमत लगभग 4.45 लाख रुपए बरामद किए हैं। मोबाइलों के मालिकों की पहचान सायबर सेल की मदद से की जा रही है। इसी तरह आरोपियों में से मोहम्मद तारिक को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया है, जबकि अजय जाटव और दुर्गेश को अन्य वारदातों की पूछताछ व बरामदगी के लिए पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस को इनसे और कई खुलासों की उम्मीद है। उक्त कार्रवाई में निरीक्षक जितेन्द्र सिंह चंदेलिया, प्रआर लवकुश सिंह, मनोज सिंह, श्याम सिंह, शिवकुमार, सौरभ गुर्जर, नरेश जाट, अभिषेक गुर्जर, अमर सिंह, अजीत सिंह, चंद्रपाल तोमर एवं साइबर सेल के अमित सक्सेना और अरविंद पटेल की सराहनीय भूमिका रही।

सीएमएचओ ने घर जाकर ली जानकारी

कार्बाइड व पोटाश गन से घायल हुए 6 मरीज और आए सामने

■ ग्वालियर

दीपावली के बाद से कार्बाइड और पोटाश गन (देसी पटाखों) से घायल होने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि जयारोग्य अस्पताल समूह, जिला अस्पताल और रतन ज्योति नेत्रालय में छह नए मरीज उपचार के लिए पहुंचे, जिनकी आंखों और चेहरों पर कार्बाइड एवं पोटाश गन से चोट आई थी। हालांकि सभी घायलों को छोटी मोटी चोटें थीं, इसलिए उन्हें दवा देकर घर भेज दिया गया।

चिकित्सकों का कहना है कि जो मरीज उपचार के लिए आए थे, उनकी आंखों की कॉर्निया पर जलन और चोट के निशान पाए गए हैं। जबकि कुछ मरीजों में कार्बाइड गन से निकली चिंगारी और धुएं के कारण आंखों में केमिकल रिएक्शन हुआ है। जयारोग्य अस्पताल में दो, जिला अस्पताल में एक और रतन ज्योति नेत्रालय में तीन मरीज उपचार के लिए पहुंचे।

नेत्र विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल किसी मरीज की दृष्टि को स्थायी नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन अगले 48 घंटे में इलाज का असर देखने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। उल्लेखनीय है कि अब तक कुल 46 मरीज सामने आ चुके हैं, जिसमें से कुछ मरीजों की आंखों की रोशनी लौटना मुस्किल बताई जा रही है।

गोल पहाड़िया निवासी ओम जाटव की आंख झुलसी

गोल पहाड़िया निवासी ओम जाटव की आंख कार्बाइड गन फटने से गंभीर रूप से झुलस गई। प्रारंभिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रैफर किया गया था, लेकिन ओम के परिजन उसे सिटी सेन्टर स्थित एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां जांच में पता चला कि ओम की आंख की नस में कोई नुकसान नहीं हुआ है। चिकित्सकों ने बताया कि आंख बचाने के लिए 10 से 15 हजार रुपये के इंजेक्शन लगेंगे। इस पर सीएमएचओ डॉ. सचिन श्रीवास्तव स्वयं गोल पहाड़िया पहुंचे और घायल युवक से मुलाकात कर पूरी स्थिति जानी। उन्होंने मामले की जानकारी जिलाधीश रुचिका चौहान को दी। जिलाधीश ने तुरंत रेडक्रॉस सोसाइटी से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया, ताकि युवक को समय पर उचित उपचार मिल सके।

कार्बाइड गन रखने वालों के खिलाफ अभियान, दो पकड़े

इस बार दीपावली पर आंखों के लिए आफत बनकर आई कार्बाइड गन के खिलाफ पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है। कार्बाइड गन से आंखों की रोशनी जाने के बाद इस पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, लेकिन अभी भी कुछ लोग इसका उपयोग कर रहे हैं। इन लोगों पर कार्रवाई करने के लिए पुलिस ने जगह-जगह मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया है। ग्वालियर थाना क्षेत्र में मुखबिरों की सूचना पर पुलिस ने छापामार कार्रवाई करते हुए तीन कार्बाइड गन को जब्त किया है। ग्वालियर पुलिस को सूचना मिली थी कि चार शहर का नाका पर एक व्यक्ति के पास कार्बाइड गन देखी गई है। पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए वहां घेराबंदी की। बताया गया है कि आस-पास रहने वालों ने भी इसकी शिकायत पुलिस से की थी। पुलिस घेराबंदी करके खड़ी थी, उसी समय हीरालाल झा पुत्र मनीपाल झा हाथ में दो कार्बाइड गन लेकर नजर आ गया। हीरालाल कार्बाइड गन चलाता उससे पहले ही पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया और थाने ले आई। पुलिस ने दूसरी कार्रवाई लधेड़ी क्षेत्र में की। लधेड़ी में आम रोड पर रात 11 बजे के बाद डालचंद बाथम उर्फ डालू पुत्र सीताराम बाथम कार्बाइड गन लेकर उसे चलाने के लिए आया। डालचंद कार्बाइन गन चलाता उससे पहले ही पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

मोडीफाइड सांइलेंसर लगीं बुलेट पर यातायात पुलिस ने की कार्रवाई

■ झांसी रोड, कंपू और मेला थाना पुलिस का संयुक्त अभियान

■ ग्वालियर

बुलेट से गोली की आवाज निकालकर वाहन चालकों व बुजुर्गो के जीवन को खतरे में डालने वाले बुलेट सवारों के खिलाफ शनिवार को एक साथ यातायात पुलिस ने तीन स्थानों पर चेकिंग पॉइंट लगाकर कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस ने करीब एक दर्जन से ज्यादा उन बुलेट बाइक को पकड़ा जिनमें मोडीफाइड सांइलेंसर लगा हुआ था।

एएसपी यातायात अनु बेनीवाल ने बताया कि शनिवार को यातायात थाना प्रभारी झांसी रोड डॉ. कृष्णपाल सिंह तोमर, कंपू थाना प्रभारी धनजंय शर्मा और मेला थाना प्रभारी अभिषेक सिंह रघुवंशी को उन बुलेट बाइकों पर कार्रवाई के निर्देश दिए थे, जिनमें मोडीफाइड सांइलेंसर लगा होता है, जिससे आम लोगों को परेशानी नहीं हो। निर्देश पर झांसी रोड, कंपू और मेला इलाके में विशेष चेकिंग अभियान चलाया और मात्र कुछ ही देर में एक दर्जन से ज्यादा वाहन चालकों को पकड़ लिया। जिनकी बाइक में मोडीफाइड सांइलेंसर लगा हुआ था।

जमीनी विवाद पर युवक को गोली मारी

■ ग्वालियर

जमीनी विवाद पर एक युवक को गोली मार दी। घटना पुरानी छावनी थाना क्षेत्र के बरा गांव में शनिवार शाम की है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए भर्ती करा दिया। गोली युवक की पीठ में लगी है। घायल का आरोप है कि गोली उसके चचेरे भाई और उसके साथियों ने मारी है और उनके बीच जमीनी विवाद चल रहा है। हालांकि पुलिस को अभी मामला संदिग्ध लग रहा है और पुलिस जांच में जुट गई है। तिघरा नया गांव निवासी अवतार सिंह पुत्र नारायण सिंह बघेल का जमीनी विवाद चल रहा है। कुछ दिन पहले चचेरे भाई ने अपनी जमीन का सौदा कर दिया है, जिस पर उनका विवाद हुआ था। शनिवार को उसके चचेरा भाई मुकेश बघेल अपने पांच अन्य साथियों के साथ आया और उसे गोली मार दी। गोली अवतार की पीठ में लगी। मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए पहुंचा दिया है।

इनका कहना है

एक युवक को गोली लगी है। युवक का आरोप है कि उसके चचेरे भाई ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसे गोली मारी है। मामला संदग्धि है और जांच की जा रही है। जांच में जो तथ्य आएंगे उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

डॉ संतोष सिंह यादव
थाना प्रभारी, पुरानी छावनी

आनंद नगर में चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

■ ग्वालियर

बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के आनंद नगर में ट्रांसपोर्टर के घर चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनसे चोरी की अन्य वारदातों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

चोरी की वारदात के बाद पुलिस ने क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल की थी, इसमें दो संदिग्ध युवक नजर आए थे, तब से ही इनकी तलाश की जा रही थी। शनिवार को पुलिस को पता चला कि दो संदिग्ध युवक ट्रांसपोर्ट नगर में चोरी की नीयत से घूम रहे हैं। इस सूचना पर घेराबंदी कर पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ में इन्होंने अपने नाम नदीम खान निवासी रिठौराकलां मुरैना तथा इरशाद उर्फ अरमान खान निवासी झाड़ूवाला मोहल्ला बताए। इनकी तलाशी लेने पर नदीम खान से 4200 रुपए एवं इरशाद उर्फ अरमान खान से 3550 रुपए नगद मिले। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने साथी गोलू के साथ मिलकर 20 अक्टूबर की रात आनंद नगर स्थित एक सूने मकान का ताला तोड़कर 30 हजार रुपए चोरी किए थे। आरोपियों का कहना है कि उन्हें घर से सोने-चांदी के जेवरात नहीं मिले थे। घर से चोरी की सीसीटीवी डीवीआर को रास्ते में फेंक दिया था। दोनों आरोपियों ने बताया कि चोरी की रकम में से उनके हिस्से के रुपयों को उन्होंने शराब एवं जुए में खर्च कर दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि चन्द्रपाल सिंह राजपूत निवासी आनंद नगर बहोड़ापुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह 20 अक्टूबर को रिश्तेदारी में जौरा गए थे। लौटने पर पाया कि घर का ताला टूटा हुआ है और सोने की 4 अंगूठियां, 4 चूड़ियां, 1 जंजीर,1 कॉलर एवं 30,000 रुपए नगद चोरी हुए हैं। साथ ही घर में लगे सीसीटीवी डीवीआर भी गायब था।

महाराजपुरा, बिजौली एवं भितरवार में शराब बेचते पकड़े मुजरिम

कॉम्बिंग गश्त : घरों के साथ झोंपड़ियों तक भी पहुंची पुलिस 292 पकड़े, 360 गुंडा व हिस्ट्रीशीटरों को किया चेक

■ ग्वालियर

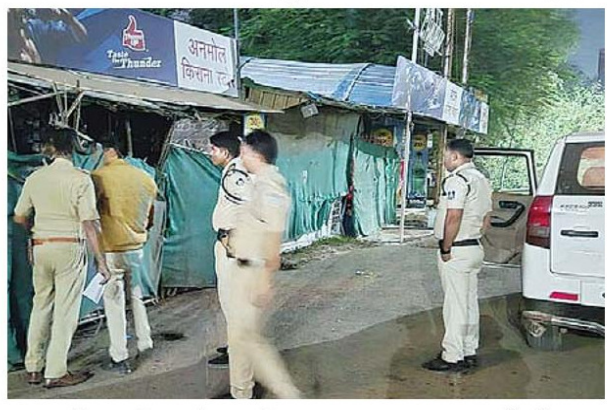

त्योहार की सुरक्षा व्यवस्था से निवृत्त होते ही पुलिस ने गुंडे-बदमाशों, वारंटियों के घरों पर झांकना शुरू कर दिया है। शुक्रवार की रात को पुलिस ने कॉम्बिंग गश्त अभियान में शहर में विभिन्न इलाकों में पहुंचकर हिस्ट्रीशीटरों को चेक किया, इसके साथ ही 292 वारंटियों को भी पकड़ा। इस दौरान पुलिस ने सड़क के किनारे झोपड़ी बनाकर रहने वालों और कारोबार करने वालों की भी चेकिंग की।

इस दौरान पुलिस ने जिले भर में कुल 146 स्थाई वारंट तथा 146 गिरफ्तारी वारंट तामील कराते हुए गिरफ्तार कर लिया। 360 हिस्ट्रीशीटर व गुंडों के घर की कुंडी खटखटाई और पूछा कि आजकल क्या कर रहे हो। जब बदमाशों ने बताया कि वह तो शांति पूर्वक जीवन बिता रहे हैं तो पुलिस अधिकारियों ने चेतावनी दी कि ऐसे ही जीवन बिताना हरकत की तो फिर सीधे जेल में नजर आओगे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देश पर शुक्रवार की दरमियानी रात शहर व देहात के थाना क्षेत्रों में देर रात तक कॉम्बिंग गश्त किया गया। एएसपी विदिता डागर, अनु बेनीवाल, सुमन गुर्जर, जयराज कुबेर ने अधीनस्थ थाना प्रभारियों के साथ पुलिस बल को लेकर कॉम्बिंग गश्त किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह अल सुबह तक कॉम्बिंग गश्त का जायजा लेते रहे और पुलिस अफसरों को निर्देश जारी करते रहे, जिससे कोई अपराधी बच न सके।

कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस द्वारा सक्रिय बदमाशों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई और गुण्डों एवं हिस्ट्रीशीटरों के रिकॉर्ड को अपडेट किया। शहर हो या देहात क्षेत्र की गली मोहल्लों में घूमकर पुलिस ने गुंडे, बदमाशों की धरपकड़ की। कॉम्बिंग गश्त के दौरान जेल से रिहा होकर आए आरोपियों को भी चेक किया। मुंह पर कपड़ा बांधे और देर रात वाहन लेकर शहर की सड़कों पर घूम रहे लोगों को रोका गया और वाहनों की तलाशी ली। पुलिस जब पूरी तरह से संतुष्ट हो गई तो फिर जाने दिया।

यात्रियों की सुविधा के लिए झांसी रेल मंडल चलाएगा विशेष ट्रेनें

■ ग्वालियर

दीपावली और छठ पर्व के बीच बढ़ रही यात्रियों की भीड़ को देखते हुए झांसी रेल मंडल ने यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष रेल व्यवस्थाएं की हैं। मंडल द्वारा झांसी और नई दिल्ली के बीच दो एकतरफा अनारक्षित विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी, जिससे त्योहार के समय लोगों को सुगम और सुरक्षित यात्रा की सुविधा मिल सकेगी। दोनों ट्रेनें 26 अक्टूबर को संचालित की जाएंगी।

जानकारी के अनुसार पहली ट्रेन क्रमांक 04185 वीरांगना लक्ष्मीबाई (झांसी) स्टेशन से दोपहर 3.45 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन दतिया, डबरा होते हुए शाम 5.20 बजे ग्वालियर पहुंचेगी। इसके बाद मुरैना, धौलपुर, आगरा कैंट, मथुरा, पलवल और फरीदाबाद स्टेशनों पर ठहराव लेते हुए रात 11.30 बजे हजरत निजामुद्दीन स्टेशन पहुंचेगी। वहीं दूसरी विशेष ट्रेन क्रमांक 04187 झांसी स्टेशन से रात 8 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन दतिया और डबरा के रास्ते रात 9.25 बजे ग्वालियर पहुंचेगी। इसके बाद मुरैना, धौलपुर, आगरा कैंट, मथुरा, पलवल और फरीदाबाद में रुकते हुए यह ट्रेन सोमवार तड़के 3.15 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। रेल मंडल के अधिकारियों के अनुसार, त्योहारों पर ट्रेनों में बढ़ते दबाव को देखते हुए ये विशेष सेवाएं यात्रियों को राहत प्रदान करेंगी। दोनों ट्रेनें अनारक्षित कोचों के साथ चलाई जाएंगी ताकि अधिक से अधिक यात्री इसका लाभ उठा सकें।

मंत्र भारत
ग्वालियर-सोमवार,27 अक्टूबर 2025

सम्पादकीय

वैश्विक युद्ध के मुहाने पर बैठी दुनिया

आज सम्पूर्ण मानवता एक गहन संकट के मुहाने पर खड़ी है। विश्व के कई क्षेत्र बारूद के ढेर पर बैठे हैं, और पृथ्वी मानो तीसरे विश्वयुद्ध की कगार पर झूल रही है। युद्धों की आग ने न केवल सीमाएँ जलायी हैं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं, अर्थव्यवस्थाओं और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी राख में बदल दिया है। ताजा परिदृश्य में इजराइल और हमास के बीच जारी संघर्ष विराम तो मिला है परंतु इस भयानक युद्ध ने गाजा पट्टी को मानवीय त्रासदी का केंद्र बना दिया है। बच्चे भूख से मर रहे हैं, महिलाओं के पास चिकित्सा और भोजन का अभाव है। अनाज और आटे की भारी कमी ने जीवन को असंभव बना दिया है। अस्पतालों में दवाइयाँ नहीं हैं, और घायल नागरिक खुले आसमान के नीचे तड़प रहे हैं। लेबनान द्वारा इजराइल पर हालिया हमले ने स्थिति को और भयावह बना दिया है जिससे अमेरिका के युद्धविराम प्रयासों पर प्रश्नचिह्न लग गया है। यह सब एक बार फिर साबित करता है कि युद्ध किसी राष्ट्र का नहीं, पूरी मानवता का शत्रु है। रूस-यूक्रेन युद्ध तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुका है। हजारों सैनिक और नागरिक मारे जा चुके हैं, शहर खंडहर बन चुके हैं। यूक्रेन द्वारा रूस पर 100 से अधिक ड्रोन हमले करने के बाद अब रूस के पास भी गोला-बारूद की कमी की खबरें हैं। रूस ने कई बार परमाणु हथियारों के उपयोग की खुली धमकी दी है जो विश्व के लिए सबसे बड़ा भय है ।यह युद्ध अब केवल दो देशों का संघर्ष नहीं, बल्कि वैश्विक शक्तियों का प्रत्यक्ष और परोक्ष मुकाबला बन चुका है। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग-उन 2022 के बाद से 100 से अधिक मिसाइल परीक्षण कर चुके हैं, जिनमें कुछ अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया को लक्ष्य बनाकर की गई हैं। उधर चीन और ताइवान के बीच तनाव दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अपनी विस्तारवादी महत्वाकांक्षा को लेकर ताइवान पर हमला करने की तैयारी में हैं, और अमेरिका का परोक्ष समर्थन ताइवान को युद्ध के मैदान में धकेल रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य अस्थिर हुआ है। ट्रंप की व्यावसायिक सोच और हथियार उद्योग से जुड़ा लाभ का समीकरण अमेरिका को कभी भी युद्धविराम की ओर नहीं जाने देगा। दरअसल, अमेरिका, रूस, चीन, उत्तर कोरिया और नाटो देश कृ सभी अपने-अपने हथियार उद्योग के आर्थिक लाभ में युद्ध को अवसर की तरह देखते हैं। नभारत ने सदैव शांति और संयम का मार्ग अपनाया है ।ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकवाद के ठिकानों को नष्ट करने के बाद भारत ने युद्ध की बजाय कूटनीति का रास्ता चुना कृ यही उसकी राजनैतिक परिपक्वता का प्रमाण है ।रूस के साथ पारंपरिक मित्रता और अमेरिका के साथ हाल के वर्षों में सुदृढ़ संबंध भारत को एक संतुलनकारी शक्ति के रूप में स्थापित करते हैं। यही संतुलन आज विश्व शांति की सबसे बड़ी उम्मीद है ।रूस-यूक्रेन संघर्ष, इजराइल-गाजा युद्ध, चीन-ताइवान विवाद और उत्तर कोरिया की परमाणु धमकियाँ इन सबने एक परमाणु युद्ध की पृष्ठभूमि बना दी है ।यदि यह चिंगारी भड़क उठी तो पाकिस्तान और खाड़ी देश भी इसमें खिंच जाएंगे और तब यह पृथ्वी मानव इतिहास की सबसे बड़ी विनाशक आपदा झेल सकती है। इतिहास गवाह है कि युद्ध ने कभी किसी राष्ट्र को गौरव नहीं दिया कृ केवल लाशों का अंबार और पीढ़ियों की पीड़ा दी है ।आज जब विश्व एक क्लिक में जुड़ा है, तो एक मिसाइल भी पूरे सभ्य संसार को नष्ट कर सकती है। इसलिए आवश्यकता है कि राष्ट्र अपने स्वार्थ, अहंकार और सत्ता की भूख को त्यागें और यह स्वीकार करें कि ह्युद्ध किसी की जीत नहीं, सबकी हार है।

बहुजन समाज पार्टी बसपा के पतन के लिए जिम्मेदार कारक

एस आर दारापुरी

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की स्थापना कांशी राम ने 1984 में दलितों और हाशिये पर पड़े समुदायों को सशक्त बनाने के लिए की थी। 2007 में पार्टी ने उत्तर प्रदेश (यूपी) में एक बड़े सर्वजन गठबंधन के साथ पूर्ण बहुमत हासिल करके अपनी चरम सीमा हासिल की। हालाँकि, 2012 से, पार्टी में भारी गिरावट आई है, जिसका सबूत 2007 में लगभग 30ः से घटकर 2024 के लोकसभा चुनावों में 9.39ः वोट शेयर (0 सीटें जीतीं) और 2022 के न्दविधानसभा चुनावों में केवल 1 सीट मिलना है। यह गिरावट आंतरिक, रणनीतिक और बाहरी कारकों के मेल से हुई है। नीचे, राजनीतिक कमेंट्री और अकादमिक जानकारियों के विश्लेषण के आधार पर मुख्य कारणों का उल्लेख किया जा रहा है। मायावती के लंबे समय तक प्रभुत्व के कारण एक अत्यधिक केंद्रीकृत, वंशवादी ढाँचा बन गया है जो इनोवेशन और जवाबदेही को रोकता है। पार्टी कांशी राम के जमीनी स्तर के आंदोलन से हटकर एक ष्सुप्रीमो-केंद्रितष इकाई बन गई, जिसमें अपने भतीजे आकाश आनंद को उत्तराधिकारी नियुक्त करने जैसे फैसलों से कार्यकर्ता नाराज हो गए। भूमि माफियाओं से संबंध और व्यक्तिगत संपत्ति जमा करने सहित भ्रष्टाचार के आरोपों ने उनकी छवि खराब की, जबकि उनके सीमित चुनाव प्रचार (अक्सर केंद्रीय एजेंसियों की जाँच के डर के कारण) ने उनकी दृश्यता कम कर दी। चुनाव के बाद, उन्होंने आंतरिक सुधारों के बजाय म्टड और मुस्लिम अविश्वास जैसे बाहरी कारकों को दोषी ठहराया, जिससे विश्वसनीयता कम हुई।

बसपा का पारंपरिक जाटव दलित समर्थन (यूपी की आबादी का लगभग 10ः) खंडित हो गया है, यहाँ तक कि वफादार मतदाता भी बीएसपी, बीजेपी और सपा-कांग्रेस गठबंधन के बीच बँट गए हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि गैर-जाटव दलित (यूपी की 21ः एससी आबादी का बहुमत) 2014 से बड़े पैमाने पर बीजेपी की ओर चले गए, जो उसके सबअल्टर्न हिंदुत्वष और उज्ज्वला और पीएम आवास योजना जैसी कल्याणकारी योजनाओं से आकर्षित हुए। 2022 के बाद के सर्वेक्षणों से पता चला कि आधे से भी कम दलितों ने बीएसपी को वोट दिया, जिसमें एक चौथाई जाटव और आधे गैर-जाटव बीजेपी की ओर चले गए। यह एक ऊपर उठते हुए दलित मध्यम वर्ग की आकांक्षाओं को पूरा करने में पार्टी की विफलता को दशार्ता है। 2007 की सर्वजन रणनीति ने कुछ समय के लिए दलितों, ब्राह्मणों, मुसलमानों और ओबीसी को एकजुट किया, लेकिन दलित कार्यकताओं के विरोध के कारण मुख्य वोटरों तक सीमित रहना पड़ा, जिससे सहयोगी दूर हो गए। ब्राह्मण बीजेपी में चले गए, मुसलमान एसपी में, और कुर्मी, कोइरी और राजभर जैसे ओबीसी समूह भी बीएसपी की समावेशी संदेश को बनाए रखने में असमर्थता के कारण ऐसा ही करने लगे। 2024 में, अल्पसंख्यकों और ओबीसी ने बड़े पैमाने पर एसपी-कांग्रेस इंडिया ब्लॉक का समर्थन किया, जिससे बीएसपी एक स्पॉइलर बनकर रह गई जिसने बीजेपी विरोधी वोटों को बांटकर परोक्ष रूप से बीजेपी की मदद की। पार्टी को कुंवर दानिश अली और रितेश पांडे जैसे सांसदों और विधायकों सहित कई दिग्गजों के बड़े पैमाने पर पलायन का सामना करना पड़ा है, जो ष्बेहतर अवसरों के लिए बीजेपी या एसपी में चले गए हैं। जमीनी स्तर के कार्यकर्ता कमजोर हो गए हैं, चुनावों के दौरान मुख्य दलित क्षेत्रों में कोई बैनर या रैलियां दिखाई नहीं देतीं, जो अरुचि का संकेत है। यह लेन-देन वाली राजनीति से उपजा है - बिना किसी वैचारिक जांच के फंड,टिकट के लिए दलबदलुओं का स्वागत करना - जिसने बीएसपी को एक स्थायी आंदोलन के बजाय एक चुनाव मशीन में बदल दिया है।

बीएसपी की बीजेपी की हल्की आलोचना, संवैधानिक क्षरण जैसे मुद्दों पर चुप्पी, और विपक्षी अभियानों (जैसे, संविधान बचाओ) से दूरी ने प्रतिद्वंद्वियों को दलितों की चिंताओं को भुनाने का मौका दिया। इसने 2007-2012 के शासन के दौरान पुनर्वितरण जैसे सामाजिक-आर्थिक सुधारों की उपेक्षा की, शासन के बजाय प्रतीकात्मकता (जैसे, अंबेडकर की मूर्तियां) पर ध्यान केंद्रित किया। बीजेपी-एसपी के प्रभुत्व वाली यूपी की द्विध्रुवीय राजनीति में, प्रभावी गठबंधन बनाने से बीएसपी के इनकार (दलित हितों के अधीन होने के डर से) ने इसे और अलग-थलग कर दिया। बीजेपी की संगठनात्मक ताकत, कल्याणकारी लोकलुभावनवाद और हिंदू राष्ट्रवादी अपील ने दलित-बहुजन एकता को खंडित कर दिया है, जिससे गैर-जाटव एससी और ओबीसी उसके पाले में आ गए हैं। राम मंदिर उद्घाटन जैसे कार्यक्रमों ने इसे और बढ़ा दिया, जबकि बीएसपी की नरम रणनीति इसका मुकाबला करने में विफल रही। इसके अलावा, नई दलित आवाजों (जैसे, भीम आर्मी के चंद्रशेखर आजाद) के उदय ने दलित लामबंदी पर बीएसपी के एकाधिकार को कम कर दिया है। हालांकि ये फैक्ट बीएसपी की भारी गिरावट को समझाते हैं, लेकिन कुछ एनालिस्ट्स का कहना है कि यह परमानेंट नहीं है। पार्टी का लगातार 10ः वोट शेयर एक मजबूत कोर दिखाता है, और पिछली रिकवरी (जैसे 1990 के दशक के बाद की गिरावट) से पता चलता है कि अगर मायावती दूसरी लाइन की लीडरशिप को बढ़ावा देती हैं और जाति जनगणना की मांगों के हिसाब से खुद को ढालती हैं तो पार्टी फिर से मजबूत हो सकती है। हालांकि, बिना आत्मनिरीक्षण के, न्च के बदलते माहौल में पार्टी का महत्व खत्म होने का खतरा है।

बढ़ता ई-कचरा अदृश्य सुनामी

प्रेम शर्मा

जी हॉ जिस तेजी से तकनीक बढ़ी है उतनी ही तेजी से ई-कचरा बढ़ रहा है। इस ई -कचरें की वृध्दि फिलहाल पॉच गुनी और आने वाले समय में दस गुनी हो जाएगी। इस ई-कचरे को लेकर धनी और विकसित देश अभी से सक्रिय है लेकिन गरीब देश इस ई-कचरे को लेकर गम्भीर नही है। परिणाम स्वरूप यह ई-कचरा अगले ही कुछ सालों में कई देशों के लिए अदृश्य सुनामी के रूप धारण कर लेगा। ई-कचरे का सबसे नया खतरा इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के बढ़ते उत्पादन और बेतरतीब ढंग से निपटान के कारण हो रहा है, जिससे पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ रहे हैं। ई-कचरे में पारा, सीसा और कैडमियम जैसे विषाक्त पदार्थ होते हैं, जो मिट्टी, पानी और हवा को प्रदूषित करते हैं, जिससे कैंसर, हृदय संबंधी समस्याएं और तंत्रिका संबंधी नुकसान जैसे स्वास्थ्य जोखिम पैदा होते हैं। बच्चों और कमजोर समूहों पर इसका सबसे अधिक प्रभाव पड़ता है ।तकनीक में तेजी से बदलाव के कारण ई-कचरा किसी भी अन्य अपशिष्ट प्रवाह की तुलना में सबसे तेजी से बढ़ रहा है। ई-कचरे में मौजूद पारा, सीसा, कैडमियम, बेरियम और डाइऑक्सिन जैसे रसायन मनुष्यों के मस्तिष्क, हृदय, फेफड़े और गुर्दे को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ई-कचरे के अनुचित निपटान से मिट्टी, पानी और हवा प्रदूषित हो सकते हैं, जो वन्यजीवों और मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। बच्चों को ई-कचरे के विषाक्त पदार्थों के संपर्क में आने का अधिक खतरा होता है, क्योंकि उनकी विकासशील प्रणालियाँ क्षति के प्रति अधिक संवेदनशील होती हैं। एक अनुमान के मुताबिक हर साल दुनिया में 2.12 अरब टन से ज्यादा कचरा पैदा होता है। यह मात्रा 2050 तक बढ़कर 4 अरब टन तक हो सकती है। इसमें नगरपालिका ठोस कचरा शामिल है। इस मामले में दुनिया के धनी देश अपने यहां तो स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के सवाल पर सजग दिखते हैं, लेकिन गरीब देशों को उन्होंने ई-कचरे का डाम्पिग प्वाईट बना दिया है। अगर कोई भी देश अपने यहां सामान्य गंदगी से लेकर ई-कचरे तक का ढेर नहीं लगने देता है, साफ- सफाई और पुनर्चक्रण का बेहतर इंतजाम करता है,तो अच्छी बॉत है। लेकिन वही देश अपने कचरे को ठिकाना लगाने के लिए विकासशील या गरीब देशों में भेज रहा है तो यह गम्भीर बॉत है ।इस संबंध में लंबे समय से सवाल उठाए जा रहे हैं और बताया गया है कि जिस मात्रा में विकसित देशों का कचरा विकासशील देशों में भेजा जा रहा है, उसके गंभीर खमियाजे सामने उठाने पड़ेंगे। संबंधित सरकारों को इसे रोकने के लिए हर स्तर पर तत्काल कदम उठाने चाहिए। मगर इस समस्या की गंभीरता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि कई देशों की ओर से तीखा विरोध उभरने के बावजूद आज भी अमीर देशों ने अपना ई-कचरा विकासशील देशों में भेजा जाना जारी रखा है। इस संबंध में पर्यावरण पर नजर रखने वाली संस्था बासेल एक्शन नेटवर्क की ताजा रिपोर्ट चौकाने वाले है। रपट में कहा है कि अमेरिका से लाखों टन खराब इलेक्ट्रानिक सामग्री दूसरे देशों में भेजी जा रही है, जिनमें से अधिकतर दक्षिण पूर्व एशिया के विकासशील देश हैं। खतरनाक बात यह है कि जिन देशों में ये खतरनाक ई-कचरे भेजे जा रहे हैं, वे इसके सुरक्षित रूप से निस्तारण के लिए तैयार नहीं हैं। अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि ये घातक कचरे जिन देशों में भेजे जा रहे हैं, वहां की आबोहवा किस हद तक प्रभावित होगी और उसका आम लोगों के जीवन पर कितना घातक असर पड़ेगा इसकी मानों कोई चिन्ता ही नही है। जबकि पिछले दो वर्ष तक हुई जांच में यह पाया गया कि कम से कम दस अमेरिकी कंपनियां इस्तेमाल किए गए इलेक्ट्रानिक सामान को एशिया और पश्चिम एशिया के देशों में भेजा गया। इलेक्ट्रानिक कचरे में फोन, कंप्यूटर में सीसा, कैडमियम और मरकरी जैसी कीमती सामग्री से लेकर विषाक्त धातु भी शामिल हैं। बेसल समझौते के तहत केवल उसी तरह के कचरे को एक से दूसरे देश ले जाने की इजाजत है, जो पुनर्चक्रित होने, दोबारा इस्तेमाल में आने के साथ-साथ जहरीला और पर्यावरण के लिए हानिकारक न हो लेकिन ऐसा नही हो रहा है। इलेक्ट्रॉनिक कचरा पूरी दुनिया के लिए चुनौती बना हुआ है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक विश्व भर में करीब 74 मिलियन टन ई-कचरा उत्पन्न होगा। जहरीले रसायनों का बड़ा स्त्रोत होने के कारण यह मानव एवं पर्यावरण दोनों के लिए काफी खतरनाक है। इसकी वजह से लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। भारत में ऐसे कचरे की डंपिंग एक बड़ी समस्या बन चुकी है। केवल भारत में हर साल 17 मिलियन टीवी सेट और करीब 148 मिलियन स्मार्टफोन,14 मिलियन रेफ्रिजिरेटर की बिक्री होती है ।19 मिलियन ऑडियो डिवाइस और करीब 6.5 मिलियन वॉशिंग मशीन बेचे जाते हैं। सब जानते है कि इलेक्ट्रानिक सामान की दुनिया में कितनी तेजी से नए यंत्र सामने आ रहे हैं। किसी यंत्र का नया संस्करण के आने के बाद कुछ समय के भीतर ही बड़ी तादाद में पुराने यंत्र कचरे में तब्दील हो जाते हैं। यही वजह है कि वैश्विक पैमाने पर पुनर्चक्रण के मुकाबले ई-कचरे में पांच गुना तेजी से बढ़ोतरी हो रही है ।जिन देशों में यह ई- कचरा भेजा जाता है, वहां के जल, भूमि और वायु पर इसका गहरा और विपरीत असर पड़ता है और पर्यावरण बुरी तरह प्रभावित होता है। अगर समय रहते इस समस्या का ठोस हल नहीं निकाला गया, तो यह सुनामी के बेहद खतरनाक साबित होगा। बहारहाल इससे निपटने के लिए व्यक्तिगत तौर पर आपको यह प्रयास करना चाहिए कि केवल उन उत्पादों को खरीदें जिनकी आपको आवश्यकता है, और उन उत्पादों को चुनें जिनकी जीवन अवधि लंबी हो और जिनमें कम पैकेजिंग हो।

हवा को जहर बनाता दिल्ली का आत्मघाती प्रदूषण

प्रदूषण के प्रमुख कारणों में सबसे आगे है पराली जलाना। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा खेतों में बची फसल के अवशेष जलाने से हवा में सूक्ष्म कणों की मात्रा खतरनाक रूप से बढ़ जाती है। हवा की दिशा दिल्ली की ओर होती है जिससे यहाँ प्रदूषण का स्तर तेजी से चढ़ता है। दिल्ली में बढ़ता प्रदूषण एक बार फिर दुनिया की नजरों में भारत की राजधानी को शर्मसार कर रहा है। कभी संस्कृति, ऊर्जा और प्रगति की पहचान रही दिल्ली आज धुएं और धूल की चादर में लिपटी दिखाई देती है। हवा में घुला जहर इस हद तक बढ़ चुका है कि सांस लेना भी एक जोखिम बन गया है। हाल ही में दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 345 के खतरनाक स्तर तक पहुंच गया जो ह्बहुत खराबह्व से ह्गंभीरह्व श्रेणी में आता है। यह स्थिति न केवल दिल्लीवासियों के स्वास्थ्य के लिए खतरा है बल्कि यह भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार दोनों के लिए गहन चिंतन का विषय भी है। प्रश्न यह है कि क्यों हर वर्ष अक्टूबर-नवंबर में दिल्ली का आसमान धुंधला हो जाता है और जीवन दम घोंटने लगता है। इसका उत्तर जटिल है क्योंकि इसके लिए सरकार, समाज और व्यक्ति सभी जिम्मेदार हैं। दिल्ली की गिनती दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में होना हमारे विकास के मॉडल पर एक गंभीर टिप्पणी है। जहरीली हवा में सांस लेना मुश्किल होने पर श्वसनतंत्र के रोगियों को किस संत्रास से गुजरना पड़ा होगा, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। यह स्थिति अन्य अनेक असाध्य रोगों का भी कारण बनती है। प्रदूषण के प्रमुख कारणों में सबसे आगे है पराली जलाना। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा खेतों में बची फसल के अवशेष जलाने से हवा में सूक्ष्म कणों की मात्रा खतरनाक रूप से बढ़ जाती है। हवा की दिशा दिल्ली की ओर होती है जिससे यहाँ प्रदूषण का स्तर तेजी से चढ़ता है। इसके साथ ही दिल्ली की सड़कों पर चल रहे लाखों वाहनों का धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ती धूल, खुले में कचरा जलाना और जनसंख्या का दबाव इस संकट को और गहरा करते हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि दिल्ली अब विकास के नाम पर अपने ही अस्तित्व को निगलने लगी है। इस वर्ष एक बार फिर दीपावली के पटाखों ने प्रदूषण का चरम स्तर पर पहुंचा दिया है। भले ही कतिपय सामाजिक व धार्मिक संगठनों के सबल आग्रह के बाद भी सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में सिर्फ पर्यावरण को कम हानि पहुंचाने वाले ग्रीन पटाखों की अनुमति दी थी, लेकिन प्रदूषण का स्तर बता रहा है कि यह प्रयास विफल रहा है। लोगों ने ग्रीन पटाखों की आड़ में प्रदूषण फैलाने वाले पटाखे जमकर फोड़े हैं। जो लोगों के आत्मघाती व्यवहार का ही परिचायक है। वैसे पर्यावरणविदों का मानना है कि ग्रीन पटाखे प्रदूषण नहीं फैलाते, यह सोच तार्किक नहीं है। दिल्ली में प्रदूषण की मौजूदा स्थिति को देखते हुए इस तर्क से सहमत हुआ जा सकता है। फिर भी यह कहना भी उचित नहीं कि सरकारें कुछ नहीं कर रहीं। केंद्र और राज्य सरकारों ने पिछले वर्षों में कई योजनाएँ शुरू की हैं। रेखा गुप्ता के मुख्यमंत्री बनने एवं भाजपा की सरकार बनने के बाद इस समस्या को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के उपक्रम हो रहे हैं। ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (जीआरएपी) लागू किया गया, जिसके अंतर्गत प्रदूषण के स्तर के अनुसार चरणबद्ध नियंत्रण उपाय किए जाते हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने के लिए सब्सिडी दी गई, हजारों ई-बसें चलाई गईं, स्मॉग टावर लगाए गए और ह्ग्रीन दिल्ली ऐपह्व के माध्यम से शिकायतों के समाधान की व्यवस्था की गई। पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए किसानों को वैकल्पिक मशीनें उपलब्ध कराई गईं और सब्सिडी दी गई। इन प्रयासों से कुछ हद तक राहत तो मिली, परंतु समस्या की जड़ अब भी जस की तस है क्योंकि यह समस्या के वल प्रशासनिक नहीं बल्कि सामाजिक और मानसिक भी है। हम कभी पराली जलाने और कभी पटाखे छोड़ने को इस संकट का कारण बताते हैं, लेकिन वास्तव में प्रदूषण के कारक हमारे तंत्र की नाकामी में हैं, जिसकी वजह से दिल्ली के अधिकांश इलाकों में एक्यूआई तीन सौ पचास का आंकड़ा पार कर गया। दीपावली के बाद भी हवा का जहरीला बना रहना बेहद गंभीर विषय है। शायद वजह यह भी हो कि लोगों ने कुछ इलाकों में दो दिन दिवाली मनाई। लेकिन इस सारे प्रकरण में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कवायदें भी निष्फल ही नजर आईं। ग्रैप-2 का लागू होना स्थिति की गंभीरता को ही दशार्ता है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि दिल्ली में सर्दियों की शुरूआत होने पर वायु गुणवत्ता का संकट गहराने लगता है। जो दिल्ली की दिवाली के बाद प्राणवायु को ही दमघोंटू बनाने लगता है। हर साल शीर्ष अदालत की सक्रियता और सरकारी घोषणाओं के बावजूद स्थिति नहीं सुधरती तो यह हमारी आपराधिक लापरवाही की परिणति भी है। प्रदूषण बढ़ाने के अनेक कारण कठोर कानून के बावजूद यत्र-तत्र पसरे हैं। लोग अब भी खुले में कचरा जलाते हैं, अपने घरों और दुकानों के बाहर धूल फैलाते हैं, पुराने वाहनों का उपयोग जारी रखते हैं। हरियाली घटती जा रही है, वृक्ष कट रहे हैं और नए पौधे लगाने की परंपरा खत्म होती जा रही है।

बिहार में तेजस्वी के नाम पर मुहर मजबूरी भरी स्वीकृति

क्या कांग्रेस ऐसा कुछ मानकर चल रही थी कि महागठबंधन के जीतने की सूरत में तेजस्वी यादव के अतिरिक्त अन्य कोई मुख्यमंत्री का दावेदार हो सकता है? उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि वह बिहार में अपनी राजनीतिक महत्ता बनाए रखने के लिए राजद पर ही निर्भर है। बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान की तिथियां जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, चुनाव के सतरंगी रंग देखने को मिल रहे हैं। बिहार की राजनीति में आखिरकार उस घोषणा का रंग भी देखने को मिल ही गया, जिसका सबको इंतजार था। आखिरकार तेजस्वी यादव को महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर दिया गया है। यह निर्णय देर आए, दुरुस्त आए की कहावत को चरितार्थ करता है। लंबे समय से इस पर राजनीतिक अटकलें लगाई जा रही थीं कि कांग्रेस क्या तेजस्वी के नेतृत्व को खुले तौर पर स्वीकार करेगी या नहीं? अंततः उसने तेजस्वी पर भरोसा जताया, पर यह भरोसा एक प्रकार की मजबूरी भरी स्वीकृति भी लगती है, न कि उत्साहपूर्ण गठबंधन की रचनात्मक एकजुटता। यह घोषणा कांग्रेस नेता अशोक गहलोत की ओर से की गई। इसी के साथ विकासशील इंसान पार्टी यानी वीआइपी के प्रमुख मुकेश सहनी को डिप्टी सीएम का चेहरा घोषित किया गया। अशोक गहलोत की इस घोषणा से पता चलता है कि बिहार में कांग्रेस की स्थिति मजबूत नहीं है, उसने मुख्यमंत्री का चेहरा अनिच्छा से ही उजागर नहीं किया था, इस अनिच्छा से यही झलका कि कांग्रेस अभी भी गठबंधन राजनीति के धर्म का मर्म समझने में उलझी है, यह राहुल गांधी की नाकाम राजनीति का भी द्योतक है, ऐसे मामलों में वे अपरिपक्वता का ही परिचय देते रहे हैं। क्या कांग्रेस ऐसा कुछ मानकर चल रही थी कि महागठबंधन के जीतने की सूरत में तेजस्वी यादव के अतिरिक्त अन्य कोई मुख्यमंत्री का दावेदार हो सकता है? उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि वह बिहार में अपनी राजनीतिक महत्ता बनाए रखने के लिए राजद पर ही निर्भर है। उसकी ऐसी ही निर्भरता अन्य राज्यों में भी वहां के क्षेत्रीय दलों पर है। जब तक वह अपने बलबूते चुनाव लड़ने की सामर्थ्य नहीं जुटा लेती, तब तक उसे उन्हें दबाव में लेने की चेष्टा नहीं करनी चाहिए। उसके पास न प्रभावशाली चेहरा है, न जनाधार। हाल के चुनावों में

उसका प्रदर्शन लगातार निराशाजनक रहा है। ऐसे में कांग्रेस के पास कोई विकल्प नहीं था कि वह नेतृत्व की भूमिका की बजाय सहयोगी भूमिका निभाए। तेजस्वी यादव के रूप में राजद आज बिहार में विपक्ष की सबसे बड़ी ताकत है। यह भी एक वास्तविकता है कि जिस तरह से नीतीश कुमार का जनाधार खिसक रहा है, तेजस्वी उस रिक्त स्थान को भरने की क्षमता रखते हैं। तेजस्वी यादव ने पिछले कुछ वर्षों में अपने नेतृत्व को निखारा है। उन्होंने नौकरी, विकास और सम्मान जैसे मुद्दों को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया है। उनकी भाषा में युवाओं की बेचैनी, बेरोजगारी का दर्द और अवसरों की तलाश झलकती है। बिहार के युवा अब जातीय राजनीति से ऊपर उठकर रोजगार और जीवन की गुणवत्ता के सवाल पूछने लगे हैं, और तेजस्वी इन्हीं सवालों को अपनी ताकत बना रहे हैं। हाल के वर्षों में उनके तेवर में जो परिपक्वता आई है, वह बताती है कि वे अब सिर्फ लालू के पुत्र नहीं, बल्कि स्वयं का राजनीतिक ब्रांड बन चुके हैं। उनका जनादेश अब सिर्फ परंपरा या पारिवारिक विरासत पर आधारित नहीं है, बल्कि नये बिहार की आकांक्षाओं से जुड़ने की कोशिश है। एनडीए ने पहले ही अपने पत्ते खोल दिए थे और सीट बंटवारे की घोषणा कर दी थी। लेकिन, उन्होंने किसी एक चेहरे को मुख्यमंत्री उम्मीदवार के तौर पर पेश नहीं किया है। यह अपने आप में एक बड़ा बदलाव है, क्योंकि पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार ही एनडीए का चेहरा रहे हैं। महागठबंधन ने तेजस्वी को सीएम उम्मीदवार बनाकर एनडीए पर दबाव बनाने की कोशिश की है। यह चुनाव बिहार के लिए बहुत महत्वपूर्ण एवं दिलचस्प है और इसमें वादों का दौर भी जारी है। नीतीश सरकार ने कई घोषणाएं की हैं, तो वहीं तेजस्वी यादव ने भी जनता से कई वादे किए हैं। महागठबंधन का घोषणापत्र आने वाला है, जिसमें कई बड़े वादे होने की उम्मीद है। यह देखना दिलचस्प होगा कि जनता किस वादे पर भरोसा करती है और बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन बनता है। ताजा परिदृश्यों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा के विकास की राजनीति ही बढ़त बनाये हुए है। भाजपा ने बिहार में धीरे-धीरे अपना जनाधार बढ़ाया है, अब भी वह स्वतंत्र चुनाव न लड़कर क्षेत्रीय दलों के सहारे आगे बढ़ रही है। भले ही नीतीश कुमार, जिन्होंने वर्षों तक सुशासन बाबू की छवि से राजनीति की, अब थके हुए और अविश्वसनीय से प्रतीत होने लगे हैं। बार-बार गठबंधन बदलने, राजनीतिक अवसरवाद और प्रशासनिक निष्क्रियता ने उनकी साख को गहरी चोट पहुंचाई है। जनता अब बदलाव चाहती है।

मनोरंजन

भारत के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले ऑस्ट्रेलिया को लग सकता है झटका, हीली का खेलना मुश्किल

नवी मुंबई : हीली को बांग्लादेश के खिलाफ मैच के बाद अभ्यास सत्र के दौरान चोट लगी थी। हीली विश्व कप में शानदार फॉर्म में चल रही हैं और उन्होंने भारत और बांग्लादेश के खिलाफ शतक लगाए थे। ऑस्ट्रेलिया को महिला विश्व कप के सेमीफाइनल मुकाबले से पहले झटका लग सकता है। टीम की कप्तान एलिसा हीली का भारत के खिलाफ खेलना मुश्किल है। हीली 22 अक्तूबर को इंग्लैंड के खिलाफ मैच में नहीं खेल सकी थीं। हीली को पिंडली की चोट लगी है जिस कारण वह टीम के दो मैचों में खेल नहीं सकी हैं और अब उनका सेमीफाइनल में हिस्सा लेना भी मुश्किल है। अभ्यास सत्र में हीली को लगी थी चोट हीली को बांग्लादेश के खिलाफ मैच के बाद अभ्यास सत्र के दौरान चोट लगी थी। हीली विश्व कप में शानदार फॉर्म में चल रही हैं और उन्होंने भारत और बांग्लादेश के खिलाफ शतक लगाए थे। शनिवार को दक्षिण अफ्रीका पर टीम की शानदार जीत के बाद मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच शेली निश्चे से कप्तान हीली की फिटनेस के बारे में पूछा गया।

बॉयफ्रेंड से क्रिस्टल डिसूजा का हुआ ब्रेकअप, इंस्टा पर भी किया एक-दूसरे को अनफॉलो

क्रिस्टल डिसूजा यूं तो अक्सर अपने लुक्स और काम को लेकर चर्चा में रहती हैं, लेकिन इस वक्त वह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। खबर है कि एक्ट्रेस का उनके बिजनेसमैन बॉयफ्रेंड मालिक गुलाम गॉस दीवानी से ब्रेकअप हो गया है। दोनों के बीच दुरिया करीब एक महीने पहले आ चुकी थी, लेकिन इसे लेकर एक्ट्रेस ने कभी जिक्र नहीं किया। क्रिस्टल अपनी पर्सनल लाइफ लोगों के साथ ज्यादा शेयर करना पसंद नहीं करतीं और इस ब्रेकअप पर भी उन्होंने कुछ भी कहने से मना कर दिया। दरअसल, क्रिस्टल और गुलाम ने इंस्टाग्राम पर भी एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है और जब हाल ही में एक्ट्रेस से इस बारे में संपर्क किया गया, तो उन्होंने ह्लकोई टिप्पणी नहींह्व कहकर टाल दिया। इससे पहले जब क्रिस्टल से रेस्टोरेंट मालिक गुलाम गॉस दीवानी से जुड़ी अफवाहों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, जिसके पास थोड़ी समझ और सोच हो, वह खुद ही सही-गलत समझ सकता है। उन्होंने कहा, मैं किसी भी रिश्ते को नाम नहीं देना चाहती जब तक कि मेरी उंगली में अंगूठी न हो। मैंने अब तक कई रिश्तों से गुजरते हुए यह सीखा है कि कुछ भी हमेशा के लिए नहीं होता। चीजें बदल सकती हैं, परिस्थितियां बदल सकती हैं, इसलिए जब तक कोई चीज तय न हो, इसे खुलकर क्यों बताएं? मेरे लिए शादी हमेशा के लिए होती है और मैं अभी भी उस सोच को मानती हूँ। क्रिस्टल ने कहा, मेरे लिए यह व्यक्ति बहुत खास है। गुलाम मेरे साथ तब थे जब मैं अपने जीवन के सबसे कठिन समय में थी। उन्होंने मुझे संभाला, मुझे ताकत दी और मुझे यह एहसास कराया कि मैं जो कुछ भी हूं, वही मैं हूं। अगर मुझे अब पर्दे पर आत्मविश्वास और साहस के साथ काम करने की ताकत है, तो इसके पीछे उनका बड़ा योगदान है। वह हमेशा मुझे बेहतर बनने के लिए प्रेरित करते हैं। कई ऐसे मौके आए हैं जब मैं किसी कार्यक्रम में जाने से बचना चाहती थी, लेकिन उन्होंने मुझे समझाया और कहा, श्तुम्हें जाना होगा, तुम्हें दिखना चाहिए। किसी लड़की के लिए ऐसा साथी पाना, जो हर कदम पर मदद और समर्थन करे, बहुत मुश्किल होता है. उनके साथ रहने से मुझे यह महसूस होता है कि मेरे पास केवल एक साथी ही नहीं बल्कि एक मजबूत सहारा भी है, जो मुझे हर मुश्किल समय में आगे बढ़ने की हिम्मत देता है।

बिग बॉस में मीका सिंह की धमाकेदार एंट्री, कौन होगा घर से बाहर?

बिग बॉस के घर में इस हफ्ते वीकेंड वार का माहौल काफी धुआंधार रहा। शनिवार को सलमान खान ने घरवालों को कड़ी चेतावनी दी थी, लेकिन रविवार के एपिसोड में माहौल पूरी तरह बदल गया। इस बार शो में धमाल मचाने के लिए सिंगर मीका सिंह पहुंचे, जिन्होंने कंटेस्टेंट्स के साथ मस्ती और एंटरटेनमेंट का तड़का लगाया। मीका सिंह अपने नए गाने गुंडा के प्रमोशन के लिए शो में आए और घरवालों के साथ इंटरैक्शन किया। प्रोमो वीडियो में देखा जा सकता है कि मीका गाते-नाचते घर में एंट्री लेते हैं। सलमान खान भी उनके साथ थिरकते नजर आए। मीका ने घरवालों को बताया कि उनका गाना मस्ती और एनर्जी से भरा है। उनके आने से घर का माहौल हल्का-फुल्का और मजेदार हो गया। सभी कंटेस्टेंट्स हंसते-खिलखिलाते नजर आए। मीका के आने से कंटेस्टेंट्स भी पूरी तरह एंटरटेनमेंट मोड में आ गए। हर कोई उनके संग खेलों और नॉनस्टॉप मस्ती में व्यस्त नजर आया। घर में मीका की एनर्जी ने शो का टेम्पो बढ़ा दिया और दर्शकों को भी खूब एंटरटेनमेंट मिला। एपिसोड के अंत में सलमान खान एलिमिनेशन की घोषणा करेंगे। इस हफ्ते डबल एविक्शन की चर्चाएं हैं। रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि नेहल और बसीर अली शो से बाहर हो सकते हैं। हालांकि, दोनों के बाहर होने की पुष्टि अभी नहीं हुई है। रात के एपिसोड में ही खुलासा होगा कि कौन सच में घर से बाहर हुआ। मीका सिंह की एंट्री और सलमान के फन एलिमेंट के साथ, इस वीकेंड वार ने बिग बॉस के रोमांच को और बढ़ा दिया। कंटेस्टेंट्स की प्रतिक्रियाएं और एलिमिनेशन का सस्पेंस दर्शकों के लिए शो को और रोचक बना रहा है।

माइक्रोसॉफ्ट छोड़कर एक्टिंग का रुख करनेवाली कुब्रा सैत को याद आए अपने पुराने दिन

एक्ट्रेस कुब्रा सैत ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक भावनात्मक पोस्ट के जरिए साल 2009 की अपनी यादों का पिटारा खोलते हुए अपने दर्शकों को बताया कि किस तरह उन्होंने डपबतवेवजि जैसी बड़ी कॉर्पोरेट नौकरी छोड़कर अपने सपनों की तलाश में मुंबई का रुख किया था। कुब्रा ने कुछ थ्रोबैक तस्वीरें साझा करते हुए लिखा सन 2009 स्प्रेडशीट्स और सपनों के बीच कहीं मैंने माइक्रोसॉफ्ट की नौकरी छोड़कर मुंबई जाने का फैसला किया। सब कहते थे, पोर्टफोलियो चाहिए। पोर्टफोलियो यानी उस बड़े शहर का मानो जादुई टिकट। मुझे याद है मेरा पोर्टफोलियो दुबई में मिस इंडिया वर्ल्डवाइड में मिस पर्सनैलिटी जीतने के कुछ समय बाद ही एक बेहतर इंसान और फोटोग्राफर सुनिथ श्याम ने बनाया था और अपनी उस पहली तस्वीर को मैंने फ्रेम करवाया था। यह जिंदगी की वो पहली सीढ़ी थी, जिसे मैंने अभी जिया भी नहीं था। हालांकि सालों बाद, जब मैंने फ्रेम बदलना चाहा, तो कांच तस्वीर से चिपक चुकी थी और तस्वीर निकालते समय उसका एक हिस्सा वहीं रह गया, बिलकुल यादों की तरह। कुछ हिस्से धुंधले हो जाते हैं, कुछ साथ रह जाते हैं, लेकिन उस तस्वीर में शुरू हुई हिम्मत आज भी कायम है। कुब्रा सैत की यह पोस्ट अपनी सच्चाई और भावनात्मक गहराई के साथ दर्शकों के दिलों को इस कदर छू गई है कि वे उनके मुरीद बन गए हैं। साथ ही कभी नए सफर की शुरूआत का प्रतीक रही वह पुरानी तस्वीर अब उनकी उपलब्धियों और साहस की गवाह बन चुकी है। सच कहें तो अपनी बोल्ड चॉइसेज और असली अंदाज के लिए जानी जाने वाली कुब्रा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनमें नरमी भी है, और यही उनकी असली ताकत है। गौरतलब है कि हाल ही में काजोल के साथ द ट्रायल सीजन 2 में नजर आईं कुब्रा सैत ने अपने पहले रियलिटी शो राइज एन्ड फॉल के साथ अपना डेब्यू किया है और वे जल्द ही अपनी अगली फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में नजर आएंगी।

पति पत्नी और पंगा, रॉकी जयसवाल की शिकायत, हिना खान ने गुस्से में कर दी कार्रवाई

टीवी शो पति पत्नी और पंगा के लेटेस्ट एपिसोड में दर्शकों को हंसी और ड्रामा का तड़का देखने को मिला। इस बार शो में रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी पहुंचे, अपनी फिल्म मस्ती 4 के प्रमोशन के लिए। एपिसोड में पतियों की अजीबोगरीब ख्वाहिशें सामने आईं, जिन्हें पत्नियों को पहचानना था। खासकर रॉकी जयसवाल और हिना खान के बीच हुई मस्ती और हल्की-फुल्की तकरार ने दर्शकों का ध्यान खींच लिया। शो में रितेश देशमुख ने कपल्स को एक मजेदार टास्क दिया। इस टास्क में पतियों की कुछ अजीबोगरीब ख्वाहिशें बताई गईं और पत्नियों को पहचानना था कि ये किसके पति की हैं। पहली ख्वाहिश सुनकर सभी हंस पड़ेरू पति पूरे हफ्ते अपने मनपसंद कपड़े पहनेंगे, बिस्तर पर 100 गीले तौलिये रखेंगे और बाथरूम हमेशा गीला रहेगा। स्वरा भास्कर ने इसे अपने पति फहाद की ख्वाहिश बताया, लेकिन हिना खान ने तुरंत कहा कि ये ख्वाहिश उनके पति रॉकी जयसवाल की है। हिना ने मजाकिया अंदाज में रॉकी पर स्प्रे मारकर अपनी नाराजगी जताई। हिना की प्रतिक्रिया के बाद रॉकी ने मजाकिया अंदाज में शिकायत की कि उनकी पत्नी हर रोज यही सब करती हैं। उन्होंने कहा, एक बात बताओ, ये पत्नी है या ड्राई क्लीनर? हर समय फ्लोर सूखा चाहिए। मैं नहा रहा हूं, नहाते-नहाते भी फ्लोर गीला नहीं होना चाहिए। क्या करूं? साइको है क्या यार। अगर नहीं नहाऊं तो बदबू आने की शिकायत। बहुत दुखी हूं। रॉकी की बातें सुनकर हिना ने एक बार फिर स्प्रे से जवाब दिया। इसके बाद रॉकी ने मजाक में कहा कि अगर वह किसी ट्रिप पर अपने दोस्त अभिनव के साथ जाएंगे, तब भी यही दिक्कत होगी। अभिनव ने भी कहा कि वह गीले तौलिये नहीं रखेंगे और बाथरूम हमेशा सूखा चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम ने सेट पर हंसी का माहौल बना दिया।

सास-ससुर संग मॉल में स्पॉट हुई राधिका, जंपसूट में दिखाया मॉडर्न अवतार, बच्चों के साथ की शॉपिंग और मस्ती

अंबानी परिवार की में फैमिली टाइम और स्टाइल का अंदाज सोशल मीडिया पर सुर्खियों में है। 23 अक्टूबर को आकाश और ईशा अंबानी ने अपने जन्मदिन का भव्य सेलिब्रेशन किया, जिसमें पूरे परिवार के अलावा बॉलीवुड के कई सितारे भी शामिल हुए। इस दौरान फैमिली का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें राधिका अंबानी अपने सास-ससुर मुकेश और नीता अंबानी के साथ मॉल में बच्चों के साथ घूमती नजर आ रही हैं। राधिका के साथ इस आउटिंग में आकाश-श्लोका की बेटी वेदा और ईशा-आनंद पीरामल की बेटी आदिया भी मौजूद थीं। राधिका दोनों बच्चों का ध्यान रखती नजर आईं, जिससे उनका यह अंदाज फैन्स को बेहद पसंद आया। फैंस ने राधिका की सादगी और स्टाइल दोनों की तारीफ की, कहते हुए कि वह हर मौके पर अपने अलग-अलग अवतार से सबका ध्यान खींचती हैं। वीडियो में देखा गया कि अंबानी परिवार जामनगर के रिलायंस मॉल में कैजुअल लुक में सैर कर रहा था। मुकेश अंबानी येलो श्वेटशर्ट और ब्लैक पैंट में नजर आए, जबकि नीता अंबानी व्हाइट कुर्ते में बेहद सजीव दिखाई दीं। उनके बेटे अनंत अंबानी ब्लैक टी-शर्ट और पैंट में थे, वहीं राधिका शॉर्ट जंपसूट पहनकर बच्चों का ध्यान रखते हुए मॉल में घूम रही थीं। ईशा और आकाश अंबानी के जन्मदिन के मौके पर जामनगर में बॉलीवुड सितारे भी पहुंचे। इस लिस्ट में जाह्नवी कपूर, अर्जुन कपूर, दिशा पाटनी, करण जौहर, आर्यन खान, अनन्या पांडे, एटली शामिल थे। सोशल मीडिया पर इन सितारों की तस्वीरें और वीडियो जमकर वायरल हुईं, जिससे फैंस ने अंबानी फैमिली की ग्रैंड पार्टी और उनके आउटिंग लुक की खूब सराहना की। राधिका के मॉडर्न लेकिन जिम्मेदार लुक को देखकर सोशल मीडिया पर लोग उन्हें स्टाइल आइकन ऑफ अंबानी फैमिलीह्व कह रहे हैं। फैंस का कहना है कि राधिका की सादगी और सहज स्टाइल हमेशा चर्चा का विषय बनी रहती है। इस आउटिंग ने साबित कर दिया कि अंबानी फैमिली का फैमिली टाइम भी ग्लैमरस और सोशल मीडिया फ्रेंडली हो सकता है।

कानूनी मुसीबत में घिरीं 'बिग बॉस' फेम तान्या मित्तल, पोटाश गन चलाने के आरोप में शिकायत दर्ज

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर तान्या मित्तल रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' में अपने बयानों और लाइफ स्टाइल को लेकर खूब सुर्खियों में हैं। वे एक बार फिर सुर्खियों में आ गई हैं। उनके खिलाफ शिकायत दर्ज हुई है और इस बार वजह उनकी कोई टिप्पणी नहीं है। पढ़िए क्या है पूरा मामला रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' में अपनी टिप्पणियों को लेकर चर्चा बटोरने वाली तान्या मित्तल के खिलाफ ग्वालियर में शिकायत दर्ज हुई है। दरअसल, तान्या पर पोटोश गन चलाने का आरोप है, जिस पर प्रतिबंध लगा हुआ है। तान्या का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उनके खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। साथ ही एफआईआर की मांग की गई है। फिलहाल एसएसपी ने इस मामले में जांच के आदेश जारी किए हैं। शिकायतकर्ता ने क्या कहा? इन दिनों 'बिग बॉस 19' में बतौर प्रतिभागी नजर आ रहीं तान्या मित्तल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वे पिंक साड़ी में दिख रही हैं। अभिनेत्री कथित तौर पर कार्बाइड गन चलाती दिख रही हैं। सोशल मीडिया पर इस वीडियो के वायरल होने के बाद हंगामा हो गया और उनके खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। ग्वालियर निवासी शिशुपाल सिंह कंषाना ने एएसपी अनु बेनीवाल से शिकायत की है, जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निदेशों और कलेक्टर रुचिका चौहान द्वारा धारा 163 बीएनएस के तहत जारी प्रतिबंधात्मक आदेशों का हवाला देते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। क्या है वीडियो की सच्चाई? तान्या के खिलाफ शिकायतकर्ता का कहना है कि वीडियो में तान्या मित्तल कार्बाइड गन चलाते हुए नजर आ रही हैं। यह वही गन है, जिसके इस्तेमाल पर ग्वालियर कलेक्टर बैन लगाया है। वहीं, इस वीडियो को लेकर कहा गया है कि यह बीते वर्ष यानी साल 2024 का है। फिलहाल कलेक्टर रुचिका चौहान के आदेश पर मामले की जांच चल रही है।

हंसिका, सारिका को रजत से करना पड़ा संतोष, परविंदर कांस्य पदक से चूके

नोवी: हंसिका 53 किग्रा वर्ग के खिताबी मुकाबले में जापान की हारुना मोरिकावा से 0-4 से हार गईं। पिछले साल की एशियाई अंडर-20 रजत पदक विजेता सारिका 2024 अंडर-23 विश्व रजत पदक विजेता रुका नतामी से रोमांचक मुकाबले में 1-2 से हार गईं। भारत की महिला मुक्केबाज हंसिका लांबा और सारिका मलिक को अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के फाइनल में हार मिली जिससे उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। हंसिका 53 किग्रा वर्ग के खिताबी मुकाबले में जापान की हारुना मोरिकावा से 0-4 से हार गईं। पिछले साल की एशियाई अंडर-20 रजत पदक विजेता सारिका 2024 अंडर-23 विश्व रजत पदक विजेता रुका नतामी से रोमांचक मुकाबले में 1-2 से हार गईं। भारत ने इस प्रकार महिला वर्ग में अपने अभियान का अंत सात पदकों के साथ किया। निशु (55 किग्रा), नेहा शर्मा (57 किग्रा), पुलकित (65 किग्रा), सृष्टि (68 किग्रा) और प्रिया मलिक (76 किग्रा) ने टूर्नामेंट में पहले ही कांस्य पदक जीते थे।

रूस की परमाणु इंजन वाली बुरेवेस्तनिक मिसाइल का सफल परीक्षण, 15 घंटे तक हवा में रही

मॉस्को : रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने परमाणु इंजन वाली क्रूज मिसाइल बुरेवेस्तनिक के सफल परीक्षण की घोषणा की। यह मिसाइल 15 घंटे तक उड़ान में रही और 14,000 किलोमीटर की दूरी तय की। उन्होंने इसकी तैनाती के लिए सेना को तैयारी शुरू करने का आदेश दिया।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रविवार को यह एलान किया कि उनके देश ने एक अद्वितीय परमाणु इंजन से लैस क्रूज मिसाइल बुरेवेस्तनिक का सफल परीक्षण किया है। यह मिसाइल इतनी शक्तिशाली बताई जा रही है कि इसकी रेंज असीमित है। पुतिन ने इस परीक्षण के बाद रूसी सेना को आदेश दिया कि वह इस मिसाइल की तैनाती के लिए आवश्यक आधारभूत ढांचे की तैयारी शुरू करे। टेलीविजन पर प्रसारित बैठक में पुतिन ने अपने रक्षा प्रमुखों के साथ चर्चा करते हुए कहा कि हाल ही में परमाणु बलों के अभ्यास के दौरान इस मिसाइल का परीक्षण किया गया। उन्होंने बताया कि बुरेवेस्तनिक 15 घंटे तक हवा में रही और इस दौरान 14,000 किलोमीटर की दूरी तय की। पुतिन ने इसे रूस की सैन्य तकनीक में ऐतिहासिक उपलब्धि करार दिया। उनका कहना था कि इस मिसाइल की रेंज और क्षमता दुनिया की किसी भी मौजूदा मिसाइल रक्षा प्रणाली को चुनौती दे सकती है। कितना ताकतवर रूस का ये 'हथियार' बुरेवेस्तनिक को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह पारंपरिक टबोर्जेट इंजन वाली मिसाइलों से बहुत अधिक दूरी तक उड़ान भर सके। इसके इंजन में एक सूक्ष्म परमाणु रिएक्टर लगा है, जो हवा को सुपरहीट कर आगे की दिशा में जोरदार थ्रस्ट पैदा करता है। इस कारण यह मिसाइल 50 से 100 मीटर की बेहद कम ऊंचाई पर उड़ सकती है, जिससे इसे रडार सिस्टम पर पकड़ना मुश्किल हो जाता है। रिपोर्टों के अनुसार, यह मिसाइल लक्ष्य पर वार करने से पहले घंटों या दिनों तक हवा में घूम सकती है और कई स्थानों पर एक साथ वार करने में सक्षम है। पीरक्षण में गई थी पांच वैज्ञानिकों की जान इसके साथ ही यह बुरेवेस्तनिक में परमाणु वॉरहेड ले जाने की भी क्षमता है। इसकी अधिकतम संभावित रेंज 20,000 किलोमीटर तक बताई गई है, यानी यह रूस से उड़ान भरकर अमेरिका तक पहुंच सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि यह पूर्ण परिचालन में लायी जाती है तो रूस के पास ऐसा हथियार होगा जो पारंपरिक मिसाइल सुरक्षा तंत्र को निष्प्रभावी कर सकता है। हालांकि, इस मिसाइल के पिछले कुछ परीक्षण असफल रहे हैं और 2019 में हुए एक हादसे में पांच वैज्ञानिकों की मौत भी हुई थी। रूस की सैन्य गतिविधियां रूस के सर्वोच्च सेनापति के रूप में पुतिन ने रविवार सुबह यूक्रेन में चल रहे सैन्य अभियानों की संयुक्त कमान का भी दौरा किया। वहां उन्होंने चीफ ऑफ जनरल स्टाफ जनरल वैलेरी गेरेसिमोव और अन्य सैन्य अधिकारियों से मुलाकात की। बैठक के दौरान गेरेसिमोव ने राष्ट्रपति को जानकारी दी कि यूक्रेनी मोर्चे पर रूस को रणनीतिक बढ़त मिल रही है और दो अहम दिशाओं में 10,000 से अधिक यूक्रेनी सैनिक घेराबंदी में आ चुके हैं। गेरेसिमोव की ब्रीफिंग गेरेसिमोव ने कहा कि यूक्रेनी सशस्त्र बलों की एक बड़ी इकाई, जिसमें 31 बटालियन शामिल हैं। वो रूसी नियंत्रण क्षेत्र में फंस चुकी है। उन्होंने बताया कि इस अभियान से रूस को पूर्वी यूक्रेन में निर्णायक लाभ मिला है। पुतिन ने भी इस रिपोर्ट पर संतोष जताया और कहा कि रूस अपनी सैन्य रणनीति को लगातार मजबूत कर रहा है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच तुर्किये में बैठक, इस्लामाबाद की गीदड़भभकी- फिर छिड़ सकती है लड़ाई

इस्लामाबाद: पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक बयान में धमकी दी है कि अगर अफगान तालिबान के साथ बातचीत विफल रहती है तो युद्ध का विकल्प खुला है। ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पिछले चार-पांच दिनों से सीमा पर शांति है।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों को रोकने के लिए एक संयुक्त मॉनिटरिंग सिस्टम बनाने के लिए तुर्किये के इस्तांबुल में दूसरे दौर की बातचीत की। हालांकि पाकिस्तान अभी भी गीदड़भभकी देने से बाज नहीं आ रहा है और उसने कहा है कि अगर बातचीत विफल रहती है तो अभी युद्ध का विकल्प खुला है। दोनों देशों के बीच इस महीने की शुरूआत में सीमा पर झड़पें हुईं थी, जिसमें दर्जनों सैनिक और आम नागरिक और कथित आतंकवादी मारे गए थे। 19 अक्तूबर को दोनों पक्षों के बीच कतर के दोहा में बैठक हुई, जिसमें अस्थायी शांति बहाली पर सहमति बनी। तुर्किये ने दोनों देशों के बीच मध्यस्थता की। संयुक्त निगरानी तंत्र बनाने पर सहमति दोहा में हुए समझौते के अनुसार, पाकिस्तान और अफगान तालिबान के बीच दूसरे दौर की बातचीत शनिवार को तुर्किये के इस्तांबुल में हुई। पाकिस्तान की तरफ से दिए गए आधिकारिक बयान के अनुसार, बातचीत में सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों को रोकने और व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए एक संयुक्त निगरानी तंत्र स्थापित करने पर चर्चा हुई। साथ ही दोनों देशों के बीच लंबे समय तक राजनीतिक समझ बनाने पर भी विचार किया गया। पाकिस्तान की तरफ से अफगान तालिबान को एक व्यापक आतंकवाद रोधी योजना सौंपी गई है। पाकिस्तान की अफगानिस्तान को धमकी पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक बयान में धमकी दी है कि अगर अफगान तालिबान के साथ बातचीत विफल रहती है तो युद्ध का विकल्प खुला है। ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पिछले चार-पांच दिनों से सीमा पर शांति है, और दोहा में पहले दौर की बातचीत के दौरान दोनों देशों के बीच जिन बिंदुओं पर सहमति जताई गई थी, उनमें से 80 प्रतिशत बिंदुओं को लागू किया जा रहा है। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि पाकिस्तान द्वारा चार दशकों से अधिक समय तक अफगानों की मेजबानी करने के बावजूद अफगानों ने पाकिस्तान में आतंकवाद का समर्थन किया।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन की सेशेल्स यात्रा के क्या है मायने ? भारतीय उच्चायुक्त ने बताई पूरी रणनीति

भारत और सेशेल्स अपने ऐतिहासिक संबंधों को मजबूत कर रहे हैं। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन की आगामी यात्रा द्विपक्षीय सहयोग में एक नया अध्याय जोड़ेगी। भारत और सेशेल्स समुद्री सुरक्षा, रक्षा, पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अपने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूर करेगी।

विक्टोरिया : उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन 26-27 अक्तूबर दो दिवसीय सेशेल्स दौरे पर रहेंगे। जहां सीपी राधाकृष्णनराष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। सेशेल्स में उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन की यात्रा से द्विपक्षीय साझेदारी को नई मजबूती, सांस्कृतिक संबंधों को जोर मिलेगा। उनकी इस यात्रा को दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने, लंबे समय से चले आ रहे सांस्कृतिक व ऐतिहासिक रिश्तों को पुनः पुष्टि करने का अवसर माना जा रहा है। दोनों देशों के सहयोग में नई तेजी की उम्मीद भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन की सेशेल्स यात्रा से दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा, रक्षा, पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्रों में सहयोग को नई गति मिलने की उम्मीद है। भारत के सेशेल्स में उच्चायुक्त रोहित रथीश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महासागर पहल हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की व्यापक रणनीतिक दृष्टि को दशार्ती है, और सेशेल्स इस दृष्टि का एक अहम भागीदार है। भारतीय उच्चायुक्त रोहित रथीश ने इस बात पर जोर दिया कि भारत समुद्री संरक्षण और पर्यटन में सेशेल्स के साथ साझेदारी करने और देश के साथ अपनी साझेदारी को और मजबूत करने के लिए तत्पर है। यह द्वीपीय राष्ट्र भारत की 'महासागर' पहल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य समुद्री सुरक्षा में सुधार करना है। भारतीय उच्चायुक्त रतीश का बयान भारतीय उच्चायुक्त रतीश ने एएनआई को बताया, ₹प्रधानमंत्री मोदी का महासागर का विजन पूरे हिंद महासागर को समेटे हुए है। हिंद महासागर भारत की खुशहाली और समृद्धि की कुंजी है। हमारा 90% व्यापार और कारोबार हिंद महासागर से होकर गुजरता है। सेशेल्स हिंद महासागर में स्थित एक द्वीपीय देश है, लेकिन इसका लगभग 14 लाख वर्ग किलोमीटर का विशाल अनन्य आर्थिक क्षेत्र है। हम ना केवल समुद्री सुरक्षा और रक्षा संबंधों को मजबूत करने में, बल्कि पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में भी साझेदार रहे हैं और भविष्य में भी साझेदार बने रहेंगे। उन्होंने आगे कहा, ₹एक द्वीपीय देश होने के नाते, सेशेल्स समुद्री संरक्षण और विज्ञान पर बहुत ध्यान केंद्रित करता है। यह पर्यटन के साथ-साथ सेशेल्स की अर्थव्यवस्था के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिए हमारा प्रयास इन क्षेत्रों में भी साझेदारी करने का होगा।₹ दोनों देशों के बीच निरंतर सहयोग पर प्रकाश डालते हुए उच्चायुक्त ने कहा कि उपराष्ट्रपति की यात्रा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सहित सहयोग के नए क्षेत्रों को तलाशने का अवसर भी प्रदान करेगी, साथ ही नई परियोजनाओं की घोषणा की संभावना भी होगी।

पाकिस्तान में बड़ा आतंकी हमला नाकाम, सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा में तीन आतंकियों को किया ढेर

इस्लामाबाद : पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षा बलों ने बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम करते हुए तीन आतंकियों को मार गिराया। इसकी जानकारी आईएसपीआर ने दी। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तर वजीरिस्तान जिले में एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया। सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने बताया कि इस दौरान सुरक्षा बलों ने तीन आर्तकियों को ढेर कर दिया और आत्मघाती हमले की तैयारी में लगे वाहन को भी नष्ट कर दिया। आईएसपीआर द्वारा जारी बयान के मुताबिक, यह इंटेलिजेंस

बेस्ड ऑपरेशन जिले के झल्लर इलाके में चलाया गया था। सेना को खुफिया जानकारी मिली थी कि फितना अल-खवारिज संगठन के आतंकी (जो प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान - ळळढ से जुड़े हैं) एक बड़े आत्मघाती हमले की साजिश रच रहे हैं। बयान में कहा गया कि सुरक्षा बलों ने समय रहते कार्रवाई करते हुए उन आतंकियों को निशाना बनाया और विस्फोटक से भरे वाहन को उड़ाकर एक संभावित विनाशकारी हमले को टाल दिया। आईएसपीआर ने यह भी बताया कि क्षेत्र में अब भी क्लीन-अप और सर्च ऑपरेशन जारी है ताकि किसी भी अन्य छिपे आतंकी को पकड़ा जा सके। 'आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी' सेना के बयान में कहा कि अज्म-ए-इस्तेहकाम अभियान के तहत सुरक्षा बल और कानून प्रवर्तन एजेंसियां पाकिस्तान से विदेशी समर्थित आतंकवाद के खात्मे तक कार्रवाई जारी रखेंगी। हमारे जवानों के बलिदान से हमारा संकल्प और मजबूत हुआ है।

इस्राइल-ईयू की मुखर आलोचक, चुनाव में वामपंथी निर्दलीय प्रत्याशी; कौन हैं नई राष्ट्रपति कैथरीन कोनोली?

लंदन : आयरलैंड को अपना 10वां राष्ट्रपति मिल गया है। वामपंथी निर्दलीय उम्मीदवार कैथरीन कोनोली आयरलैंड की अगली राष्ट्रपति होंगी। इसी के साथ वह देश की तीसरी महिला राष्ट्रपति भी बनेंगी। ऐसे में जानिए कौन हैं आयरलैंड की अगली राष्ट्रपति कैथरीन कोनोली? वामपंथी विचारधारा वाली निर्दलीय उम्मीदवार कैथरीन कोनोली ने आयरलैंड चुनाव में इतिहास रच दिया है। उन्होंने आयरलैंड के राष्ट्रपति पद का चुनाव जीता है। वामपंथी स्वतंत्र उम्मीदवार कैथरीन कोनोली ने मध्य-दक्षिणपंथी पार्टी फाइन गेल की उनकी प्रतिद्वंद्वी हीथर हम्फ्रीज को भारी मतों से पीछे छोड़ दिया। शनिवार को मतगणना समाप्त होने से पहले ही हीथर ने हार स्वीकार कर ली थी। आयरलैंड ने अपने इतिहास की तीसरी महिला राष्ट्रपति को चुना है। कैथरीन कोनोली

को सिन फेन सहित आयरलैंड की वामपंथी पार्टियों का समर्थन प्राप्त था। ऐसे में जानिए कौन हैं कैथरीन कोनोली? जिन्होंने आयरिश राष्ट्रपति चुनाव जीता है। पूर्व वकील और 2016 से संसद सदस्य पूर्व बैरिस्टर कैथरीन कोनोली, जो 2016 से सांसद हैं, वो गाजा में युद्ध को लेकर इस्राइल की मुखर आलोचना करती रही हैं। उन्होंने रूस द्वारा यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर आक्रमण के बाद यूरोपीय संघ के बढ़ते सैन्यीकरण के खिलाफ भी चेतावनी दी। उन्होंने सामाजिक न्याय, समानता और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अपने बेबाक विचारों से जनता के बीच पहचान बनाई है। हालांकि आयरलैंड में सैन्य तटस्थता की परंपरा रही है, लेकिन उनके आलोचकों का कहना है कि इससे देश के सहयोगियों के अलग-थलग पड़ने का खतरा है। नई राष्ट्रपति कैथरीन कोनोली अब माइकल डी. हिगिंस की जगह लेंगी, जो 2011 से राष्ट्रपति हैं और उन्होंने अधिकतम दो बार सात-वर्षीय कार्यकाल पूरा किया है। वह आयरलैंड की 10वीं राष्ट्रपति और इस पद पर आसीन होने वाली तीसरी महिला होंगी। वामपंथी झुकाव वाली स्वतंत्र उम्मीदवार वामपंथी झुकाव वाली स्वतंत्र उम्मीदवार कोनोली को सिन फेन, लेबर पार्टी और सोशल डेमोक्रेट्स सहित कई वामपंथी दलों का समर्थन प्राप्त है। वहीं प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन ने शनिवार को कोनोली को उनकी ₹बेहद व्यापक चुनावी जीत₹ के लिए बधाई दी और कहा कि यह स्पष्ट है कि वह आयरलैंड की अगली राष्ट्रपति होंगी। बता दें कि मार्टिन की फियाना फेल पार्टी के उम्मीदवार जिम गेविन के चुनाव से तीन हफ्ते पहले एक पुराने वित्तीय विवाद के कारण से हटने के बाद कोनोली और हम्फ्रीज ही एकमात्र दावेदार थे। आयरलैंड की सरकार के प्रमुख मार्टिन ने व्यक्तिगत रूप से गेविन का राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में समर्थन किया था। हालांकि गेविन ने प्रचार करना बंद कर दिया था, लेकिन चुनाव से देर से हटने के कारण उनका नाम मतपत्र पर बना रहा।

चीन के विद्वानों ने भगवद गीता को बताया ज्ञान का अमृत, आधुनिक जीवन के लिए अमूल्य मार्गदर्शन

बीजिंग : चीन के विद्वानों ने भगवद गीता को ज्ञान का अमृत बताया और आधुनिक दुनिया में इसके आध्यात्मिक व नैतिक मार्गदर्शन पर चर्चा की। चीन के विद्वानों ने भगवद गीता को ज्ञान का अमृत और भारतीय सभ्यता का संक्षिप्त इतिहास बताते हुए आधुनिक दुनिया के लोगों के आध्यात्मिक और भौतिक संकटों के समाधान का स्रोत बताया। यह बातें संगम - भारतीय दार्शनिक परंपराओं का संगम नामक संगोष्ठी में कही गईं, जिसे भारतीय दूतावास ने आयोजित किया। भगवद गीता का चीनी भाषा में अनुवाद संगोष्ठी में 88 वर्षीय प्रोफेसर झांग बाओशेंग मुख्य वक्ता थे, जिन्होंने भगवद गीता का चीनी भाषा में अनुवाद किया है। उन्होंने गीता को भारत का दार्शनिक विश्वकोष और आध्यात्मिक महाकाव्य बताया, जो आज भी भारतीय जीवन पर गहरा प्रभाव डालता है। प्रो. झांग ने कहा कि उन्होंने 1984-86 के दौरान भारत की यात्रा के दौरान हर जगह भगवान कृष्ण की उपस्थिति का अनुभव किया। गीता प्राचीन

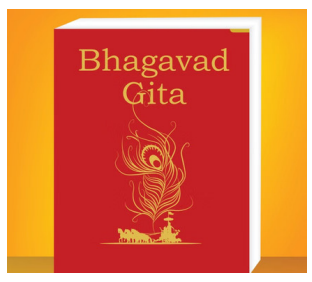

भारतीय युद्धभूमि की संवाद सेंटर फॉर ओरिएंट्ल फिलॉसफी रिसर्च के डाइरेक्टर प्रो. वांग झी-चेंग ने कहा कि गीता 5,000 साल पहले की प्राचीन भारतीय युद्धभूमि की संवाद है, जो आज भी आधुनिक जीवन की उलझनों और चिंताओं का समाधान प्रस्तुत करती है। उन्होंने गीता की तीन प्रमुख शिक्षाओं कर्म योग, सांख्य योग, और भक्ति योग को आधुनिक जीवन के लिए मार्गदर्शक बताया। प्रो. यू लोंगयू, सेंटर फॉर इंडियन स्टडीज, शेनझेन यूनिवर्सिटी ने कहा कि भारतीय सभ्यता का गहरा दार्शनिक और सांस्कृतिक विरासत अध्ययन के योग्य है और चीनी विद्वानों को इसे समर्पण के साथ सीखना चाहिए। भारतीय दूत, प्रदीप कुमार रावत, ने कहा कि गीता समेत भारत के दर्शनशास्त्र ने हमेशा मानवता के सबसे महत्वपूर्ण प्रश्नों सत्य क्या है? वास्तविकता का स्वरूप क्या है? ज्ञान और कर्म कैसे अंतिम मुक्ति की ओर ले जाते हैं? का उत्तर देने का प्रयास किया है। विद्वानों ने इस अवसर पर जोर देकर कहा कि भगवद गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि आधुनिक जीवन के लिए नैतिक और आध्यात्मिक मार्गदर्शन भी है।

अमेरिका में फिर गोलीबारी ! नॉर्थ कैरोलिना में एक पार्टी के दौरान चली गोलियां, 2 की मौत और कई अन्य घायल

वॉशिंगटन : पुलिस ने बताया कि पार्टी में कई लोगों ने गोलियां चलाईं। रिपोर्ट्स के अनुसार, पुलिस को रात करीब 1.15 बजे तेज संगीत की शिकायत मिली थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस वाले मौके पर पहुंचे भी नहीं थे कि पुलिस को घटनास्थल पर गोलीबारी की सूचना मिली। शनिवार तड़के अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना में एक हैलोवीन पार्टी में गोलीबारी की घटना हुई, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए हैं। मृतकों में एक 16 साल का किशोर शामिल है। रोबेसन काउंटी शेरिफ बर्निस विल्किंस के कार्यालय की तरफ से बताया गया कि घटना दक्षिण पूर्वी नॉर्थ कैरोलिना के मैक्सटन शहर में हुई, जब शहर के बाहर एक ग्रामीण इलाके में एक घर में हुई पार्टी में हुई गोलीबारी में 13 लोगों को गोली लगी। पार्टी में 300 से ज्यादा लोग थे शामिल विल्किंस ने बताया कि गोलीबारी दो ग्रुप के

बीच हुई जो पार्टी में शामिल थे। इस पार्टी में 300 से ज्यादा लोग आए थे, जिनकी उम्र 16 साल से लेकर लगभग 50 साल तक थी। पुलिस ने बताया कि ऐसा लगता है कि पार्टी में दो गुटों में झगड़ा हुआ और बात इतनी बढ़ गई कि दोनों तरफ से गोलीबारी हुई और इस गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए। पुलिस को गोलीबारी से पहले ही मिली थी शिकायत पुलिस ने बताया कि दूसरे मृतक की पहचान 49 साल के जेसी लॉकलीयर जूनियर के रूप में हुई है। शनिवार दोपहर तक इस मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई थी। पुलिस ने बताया कि पार्टी में कई लोगों ने गोलियां चलाईं। रिपोर्ट्स के अनुसार, पुलिस को रात करीब 1.15 बजे तेज संगीत की शिकायत मिली थी।

पुतिन, शी जिनपिंग और हमास को लेकर क्या बोल गए ट्रंप? एशिया दौरे के दौरान अपने भावी रुख पर दिया बड़ा बयान

अमेरिकी । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिम एशिया के गाजा में शांति भंग होने पर हमास के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी है। उन्होंने रूस-यूक्रेन संघर्ष, अमेरिका-चीन संबंध और कोरिया में शी जिनपिंग से होने वाली बातचीत को लेकर भी अहम बयान दिया है। जानिए अमेरिका के राष्ट्रपति ने क्या बातें कहीं। एशिया दौरे पर रवाना हो चुके अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अहम अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अमेरिका की नीति को लेकर खुलकर बयान दिए हैं। व्हाइट हाउस की तरफ से जारी ट्रंप के बयानों में साढ़े तीन साल से अधिक समय से जारी रूस और यूक्रेन युद्ध समाप्त होने की आशा, कोरिया में होने वाली चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात और पश्चिम एशिया के गाजा में इस्त्राइल और हमास के बीच दो साल से अधिक समय तक चले रक्तपात के बाद अब संघर्षविराम और भावी शांति

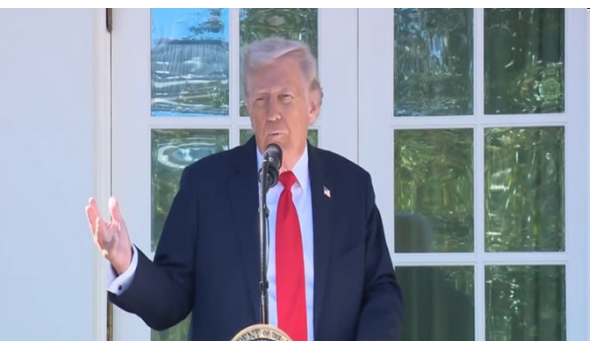

की संभावनाओं पर बात की। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर क्या सोच रहा अमेरिका अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से तभी मिलेंगे जब किसी समझौते की संभावना होगी। उन्होंने कहा कि पुतिन से उनके हमेशा अच्छे संबंध रहे हैं, लेकिन मौजूदा हालात निराशाजनक हैं। ट्रंप ने बताया कि उन्होंने अजरबैजान और आर्मेनिया के बीच समझौता कराया था, जो बहुत कठिन था। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि रूस-यूक्रेन विवाद आसानी से सुलझ जाएगा, लेकिन जेलेंस्की और पुतिन के बीच गहरी नफरत के कारण ऐसा नहीं हो सका। कोरिया में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बैठक पर क्या बोले अमेरिकी राष्ट्रपति एशिया दौरे के अंतिम चरण में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात को लेकर ट्रंप ने कहा, शी जिनपिंग से मुलाकात के दौरान रूस के तेल की खरीद पर भी चर्चा होगी। व्हाइट हाउस की तरफ से जारी बयान के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि चीन ने रूसी तेल की खरीद में काफी कटौती की है

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।